RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 264
दि. 25.01.2026,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

पीएम मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 18वें रोजगार मेले को संबोधित किया

- बीते वर्षों में, रोजगार मेला एक संस्था बन गया है और इसके जरिए लाखों युवाओं को सरकार के अलग-अलग विभागों में नियुक्ति पत्र मिल चुके हैं: प्रधानमंत्री
- आज, भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है; हमारी सरकार का निरंतर प्रयास है कि भारत की युवाशक्ति के लिए देश-दुनिया में नए-नए अवसर बनें: प्रधानमंत्री
- आज, भारत सरकार कई देशों के साथ व्यापार और आवागमन समझौते कर रही है जो देश के युवाओं के लिए अनेकों नए अवसर लेकर आ रहे हैं: प्रधानमंत्री
- आज, देश रिफॉर्म एक्सप्रेस पर चल पड़ा है, इसका उद्देश्य देश में जीवन और कारोबार दोनों को आसान बनाने का है: प्रधानमंत्री

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द मोदी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 18वें रोजगार मेले को संबोधित किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में श्री मोदी ने कहा कि वर्ष 2026 की शुरूआत लोगों के जीवन में नई खुशियां लेकर हुई है और साथ ही नागरिकों को उनके संवैधानिक कर्तव्यों से भी जोड़ा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह समय गणतंत्र दिवस के भव्य उत्सव के साथ मेल खाता है। श्री मोदी ने याद दिलाया कि 23 जनवरी को राष्ट्र ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर पराक्रम दिवस मनाया था और कल, 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस और उसके बाद गणतंत्र दिवस मनाया जाएगा। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि आज का दिन इसलिए भी विशेष है, क्योंकि इसी दिन संविधान ने 'जन गण मन' को राष्ट्रगान और 'वंदे मातरम' को राष्ट्रगीत के रूप में अपनाया था। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि इस महत्वपूर्ण दिन पर 61 हजार से अधिक युवा सरकारी सेवाओं के लिए नियुक्ति पत्र प्राप्त करके अपने जीवन का एक नया अध्याय शुरू कर रहे हैं। श्री मोदी ने इन नियुक्ति पत्रों को राष्ट्र निर्माण का निमंत्रण और विकसित भारत के निर्माण में तेजी लाने का संकल्प बताया। उन्होंने कहा कि अनेक युवा राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करेंगे, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था को सशक्त बनाएंगे, वित्तीय सेवाओं और ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ करेंगे और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। प्रधानमंत्री ने सभी युवाओं को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं।

श्री मोदी ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि युवाओं को कौशल से जोड़ना और उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर प्रदान करना सरकार की प्राथमिकता रही है। उन्होंने कहा कि सरकारी भर्तियों को मिशन मोड में लाने के लिए रोजगार मेला शुरू किया गया था, जो वर्षों से एक संस्था बन चुका है। इस पहल के माध्यम से लाखों युवाओं को विभिन्न सरकारी विभागों में नियुक्ति पत्र प्राप्त हुए हैं। इस मिशन को आगे बढ़ाते हुए श्री मोदी ने बताया कि आज रोजगार मेला देश भर में चालीस से अधिक स्थानों पर आयोजित किया जा रहा है और उन्होंने इन सभी स्थानों पर उपस्थित युवाओं को विशेष रूप से बधाई दी।

प्रधानमंत्री ने जोर देते हुए कहा, 'भारत आज विश्व के सबसे युवा देशों में से एक है, और सरकार घरेलू और वैश्विक स्तर पर युवाओं के लिए नए अवसर पैदा करने के लिए लगातार प्रयासरत है।' उन्होंने बताया कि भारत सरकार कई देशों के साथ व्यापार और आवागमन संबंधी समझौते कर रही है, जिससे युवा भारतीयों के लिए अनगिनत नए अवसर खुल रहे हैं।

श्री मोदी ने बताया कि हाल के समय में भारत ने आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर में अभूतपूर्व निवेश किया है, जिससे निर्माण संबंधी क्षेत्रों में रोजगार में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम तेजी से विस्तार कर रहा है, जिसमें लगभग दो लाख पंजीकृत स्टार्टअप इक्कीस लाख से अधिक युवाओं को रोजगार दे रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि डिजिटल इंडिया ने एक नई अर्थव्यवस्था को जन्म दिया है और भारत एनिमेशन, डिजिटल मीडिया तथा कई अन्य क्षेत्रों में वैश्विक केंद्र के रूप में उभर रहा है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है, जिससे युवाओं को नए अवसर मिल रहे हैं।

श्री मोदी ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि भारत पर बढ़ता वैश्विक विश्वास युवाओं के लिए नए अवसर पैदा कर रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत विश्व की एकमात्र ऐसी प्रमुख अर्थव्यवस्था है जिसने एक दशक में अपनी जीडीपी दोगुनी कर ली है और आज सौ से अधिक देश प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के माध्यम से भारत में निवेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले के दशक की तुलना में भारत को ढाई गुना से अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्राप्त हुआ है और अधिक विदेशी निवेश का अर्थ है भारत के युवाओं के लिए अधिक रोजगार के अवसर।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत एक प्रमुख विनिर्माण शक्ति के रूप में उभर रहा है, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्यूटिकल और वैक्सीन, रक्षा और ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों में उत्पादन और निर्यात में अभूतपूर्व वृद्धि हो रही है। श्री मोदी ने कहा कि 2014 से भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में छह गुना वृद्धि हुई है, जो अब 11 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है, जबकि इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। उन्होंने कहा कि मोटरवाहन उद्योग सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में से एक बन गया है, जिसमें दोपहिया वाहनों की बिक्री 2025 में दो करोड़ इकाइयों को पार कर जाएगी, जो आयकर और जीएसटी में कमी के कारण नागरिकों की बढ़ती क्रय शक्ति को दशार्ती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ये

उ.प्र.: 2047 तक योगी ही संभालेंगे कमान? अमित शाह ने दिया बड़ा संकेत, यूपी को बताया देश का 'ग्रोथ इंजन'

लखनऊ, (जीएनएस)। 'जो उत्तर प्रदेश कभी देश को सिर्फ मजदूर देता था, आज वही राज्य प्रधानमंत्री मोदी के आत्मनिर्भर भारत का सबसे बड़ा 'ग्रोथ इंजन' बन चुका है।' यह हुंकार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को लखनऊ में उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर भरी।

शाह ने न केवल विपक्षी दलों पर तीखा प्रहार किया, बल्कि इशारों-इशारों में यह भी साफ कर दिया कि साल 2047 के 'विकसित भारत' के संकल्प को पूरा करने के लिए योगी आदित्यनाथ का नेतृत्व कितना अनिवार्य है।

इलेक्ट्रॉनिक निर्यात में UP की 11 प्रतिशत हिस्सेदारी

अमित शाह ने समाजवादी पार्टी (SP) और कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि 2017 से पहले इन दलों ने उत्तर प्रदेश को 'बीमारू' राज्य बनाकर छोड़ दिया था। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि, 'कांग्रेस और सपा के दौर में यूपी की पहचान सिर्फ पलायन और अपराध से होती थी। आज स्थिति यह है कि प्रदेश का युवा नौकरी के लिए बाहर नहीं जा रहा, बल्कि हर जिले में रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं। आज भारत के कुल इलेक्ट्रॉनिक निर्यात में 11 प्रतिशत हिस्सेदारी अकेले उत्तर प्रदेश की है।'

कार्यक्रम के दौरान अमित शाह का सबसे बड़ा बयान यूपी के भविष्य को लेकर आया। उन्होंने कहा, "15 अगस्त 2047 को जब देश अपनी आजादी का शताब्दी वर्ष मनाएगा, तब उत्तर प्रदेश एक पूर्ण विकसित राज्य के रूप में 'विकसित भारत' की आत्मा होगा।" राजनीतिक गलियारों में शाह के इस बयान को इस संकेत के रूप में देखा जा रहा है कि 2047 के इस लंबे विजन को पूरा करने के लिए भाजपा की कमान योगी आदित्यनाथ के हाथों में ही सुरक्षित है।

गृह मंत्री ने कानून-व्यवस्था और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद पर जोर देते हुए कहा कि आज यूपी में कनेक्टिविटी सुधरी है और निवेश का माहौल बना है।

संक्षिप्त समाचार

गुजरात तथा दमण एवं दीव नेवल एरिया के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग रियल एडमिरल ने मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल से शिष्टाचार भेंट की

गांधीनगर, 24 जनवरी :गुजरात तथा दमण एवं दीव नेवल एरिया के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग रियर एडमिरल श्रीतनु गुरु ने शनिवार को गांधीनगर में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल से शिष्टाचार भेंट की। 1995 में भारतीय नौसेना में जुड़े श्रीतनु गुरु नवंबर-2025 से गुजरात तथा दमण एवं दीव नेवल एरिया के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग के रूप में नियुक्त हुए हैं।

'मोदी के रहते सवर्ण जाति के बच्चों को कोई भी नुकसान नहीं होगा', यूजीसी कानून क्या है? नियम को लेकर क्यों मचा बवाल

(जीएनएस)।

देश की यूनिवर्सिटियों और कॉलेजों में लागू हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) के नए नियम ने सियासी और सामाजिक बहस को तेज कर दिया है। 15 जनवरी 2026 से लागू होने वाले 'Promotion of Equity in Higher Education Institutions Regulations, 2026' को लेकर सोशल मीडिया से लेकर सड़क तक चर्चा है।

सवाल उठ रहे हैं, डर जताए जा रहे हैं और भरोसे भी दिलाए जा रहे हैं। इसी बीच बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे का बयान- 'मोदी जी के रहते सवर्ण जाति के बच्चों को कोई नुकसान नहीं होगा'-इस पूरे विवाद का केंद्र बन गया है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने यह नया रेगुलेशन उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव को रोकने के मकसद से लागू किया है। इसका सीधा उद्देश्य है-कैंपस में पढ़ने वाले छात्रों, पढ़ाने वाले शिक्षकों और कर्मचारियों के साथ किसी भी तरह के भेदभाव को खत्म करना। खास बात यह है कि इस बार नियमों का दायरा सिर्फ अनुसूचित जाति और जनजाति तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि अन्य पिछड़ा वर्ग यानी OBC को भी इसमें शामिल किया गया है। अब अगर किसी OBC छात्र, प्रोफेसर या कर्मचारी को जाति के आधार पर भेदभाव या उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है, तो वह औपचारिक शिकायत दर्ज करा सकता है। नए रेगुलेशन के तहत हर कॉलेज और यूनिवर्सिटी में समान अवसर प्रकोष्ठ बनाना अनिवार्य कर दिया गया है। इस प्रकोष्ठ में रउ, रळ और डइउ तीनों वर्गों के लिए बराबर प्रतिनिधित्व होगा। इसके अलावा यूनिवर्सिटी स्तर पर एक Equity Committee गठित की जाएगी, जिसमें महिला, दिव्यांग, OBC, SC और रळ वर्ग के सदस्य शामिल होंगे। यह समिति हर छह महीने में रिपोर्ट तैयार करेगी और सीधे UGC को भेजेगी। यानी अब संस्थानों की जवाबदेही पहले से ज्यादा बढ़ गई है।

नियम लागू होते ही देश के कई हिस्सों में अगड़ी जातियों से जुड़े संगठनों ने इसका विरोध शुरू कर दिया। उनका कहना है कि यह कानून संतुलित नहीं है और इसका दुरुपयोग हो सकता है। सबसे बड़ा डर यह जताया जा रहा है कि झूठे भेदभाव के आरोप लगाकर छात्रों और शिक्षकों को फंसाया जा सकता है, जिससे उनका करियर और सामाजिक छवि खराब हो सकती है।

जयपुर में करणी सेना, ब्राह्मण महासभा, कायस्थ महासभा और वैश्य संगठनों ने मिलकर 'सवर्ण समाज समन्वय समिति (र-4)' बनाई है, ताकि इस नियम के खिलाफ संगठित आंदोलन किया जा सके।

डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर ने रोजगार मेले को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने युवा सशक्तिकरण और विकसित भारत के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला।

- केन्द्रीय संचार राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर ने रोजगार मेले को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने युवा सशक्तिकरण और विकसित भारत के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला।
- डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर ने नौकरी चाहने वालों से आग्रह किया है कि वे सीखने, विकास करने और भारत को वैश्विक महाशक्ति बनाने की दिशा में योगदान देने के अवसर का लाभ उठाएं।
- दूरसंचार क्षेत्र में, उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन योजनाओं के परिणामस्वरूप 25,000 विनिर्माण नौकरियां और 13,000 करोड़ रुपये का निर्यात हुआ है: केंद्रीय संचार राज्य मंत्री, डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर।

(जीएनएस)।

संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर ने आज तमिलनाडु के शिवगंगा स्थित आईटीबीपी आरटीसी में आयोजित रोजगार मेले को संबोधित किया। यह मेला रोजगार सृजन और युवा सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार के निरंतर प्रयासों का हिस्सा है। आईटीबीपी, बीएसएफ, सीआईएसएफ, एसएसबी, डीएफएस (यूनियन बैंक ऑफ इंडिया), इसरो और असम राइफल्स के विभिन्न विभागों के 148 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए। राज्य मंत्री ने अपने भाषण में कहा कि रोजगार मेला केवल नियुक्ति पत्र देने का माध्यम नहीं है, बल्कि अवसर, सम्मान और एक मजबूत राष्ट्र के निर्माण का भी माध्यम है।

जाति का कॉलम नहीं, गिनेंगे क्या? सपा मुखिया अखिलेश यादव ने जनगणना 2027 पर उठाए सवाल, कांग्रेस भी आई साथ

(जीएनएस)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट के जरिए केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने जनगणना 2027 की अधिसूचना को लेकर कई सवाल उठाए है। जातिगत जनगणना के मुद्दे पर गंभीर आरोप लगाते हुए अखिलेश यादव ने इसे भाजपा का "जुमला" और "सुनियोजित साजिश" बताया है, जिसका लक्ष्य पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक (पीडीए) समाज के अधिकारों को कम करना है।

अखिलेश यादव ने अपनी टिप्पणी में पूछा कि जब जनगणना के फॉर्म में जाति का कॉलम ही नहीं है, तो जातिगत जनगणना कैसे संभव होगी? उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जनगणना की अधिसूचना में जाति का कॉलम न होना ही साबित करता है कि भाजपा का इरादा जातिगत जनगणना कराने का नहीं है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, "जनगणना की अधिसूचना में जाति का कॉलम तक नहीं है, गिनेंगे क्या। जातिगत जनगणना भी बीजेपी का जुमला है। बीजेपी का सीधा फामूर्ला है, न गिनती होगी, न आनुपातिक आरक्षण-अधिकार देने का जनसांख्यिकीय आधार बनेगा। जातिगत जनगणना न करना पीडीए समाज के खिलाफ भाजपाई साजिश है।"

उन्होंने भाजपा पर भरोसा करने वाले लोगों को "ठगा हुआ और घोर अपमानित" महसूस करने की बात कही। अखिलेश यादव ने दावा किया कि भाजपा के वे नेता और कार्यकर्ता, जो अब तक जातिगत जनगणना कराने का आश्वासन दे रहे थे, वे अब अपने समाज में मुंह दिखाने लायक नहीं बचे हैं। उनके अनुसार, ऐसे कार्यकर्ता अब भाजपाई पट्टा और पार्टी का झंडा उतारने को मजबूर हैं, जिसका अर्थ है कि पीडीए को अपनी लड़ाई खुद लड़नी होगी।

अखिलेश यादव बोले-"छलजीवी बीजेपी" इसे "टाइपिंग मिस्टेक" बता देगी

भाजपा की रणनीति पर सवाल उठाते हुए, अखिलेश यादव ने कटाक्ष किया कि विरोध होने पर "छलजीवी बीजेपी" इसे "टाइपिंग मिस्टेक" बता देगी। उन्होंने भाजपा की इस चालाकी को "बेशर्मी" करार दिया।

सपा अध्यक्ष ने सुझाव दिया कि अब तो शब्दकोशों में 'वचन-विमुखी' भाजपा का मतलब 'धोखा' लिख देना चाहिए, क्योंकि उसके गलत मंसूबे सबके सामने आ चुके हैं।

रांची के बड़ियातू पहाड़ी इलाके में भीषण आग, सेना के फायरिंग रेंज क्षेत्र में मचा हड़कंप

(जीएनएस)।

झारखंड की राजधानी रांची में शनिवार, 24 जनवरी को उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब शहर के सदर थाना क्षेत्र स्थित बड़ियातू हिल इलाके में भीषण आग लग गई। यह आग पहाड़ी पर रखे गए टायरों के बड़े स्टॉक में लगी, जिससे देखते ही देखते आसमान में काले धुएं का विशाल गुबार फैल गया।

आग इतनी तेज थी कि दूर-दूर से इसकी लपटें और धुआं साफ नजर आने लगा।

बताया जा रहा है कि जिस स्थान पर आग लगी है, वह इलाका भारतीय सेना द्वारा फायरिंग प्रैक्टिस के लिए इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे संवेदनशील क्षेत्र में आग लगने की सूचना मिलते ही प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ गई। आशंका जताई जा रही है कि यदि आग पर समय रहते काबू नहीं पाया गया, तो यह आसपास के इलाकों और जंगल क्षेत्र तक फैल सकती थी।

मौके पर पहुंची दमकल की कई गाड़ियां

आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। दमकलकर्मी आग बुझाने के प्रयास में जुटे हुए हैं। पहाड़ी इलाका होने के कारण राहत और बचाव कार्य में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। टायरों में आग लगने के कारण धुआं बेहद जहरीला हो गया है, जिससे दमकलकर्मियों को विशेष सुरक्षा उपकरणों के साथ काम करना पड़ रहा है।

फिलहाल आग लगने के सटीक कारणों का पता नहीं चल सका है। प्रशासन यह जांच कर रहा है कि यह आग किसी लापरवाही के कारण लगी या फिर किसी बाहरी कारण से। चूंकि यह इलाका सेना के अभ्यास क्षेत्र के अंतर्गत आता है, इसलिए सुरक्षा एजेंसियां भी मामले की जांच में जुट गई हैं।

आग की गंभीरता को देखते हुए आसपास के रिहायशी इलाकों में अलर्ट जारी कर दिया गया है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे आग वाले क्षेत्र के आसपास न जाएं और धुएं से बचने के लिए घरों में ही रहें। जरूरत पड़ने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम को भी अलर्ट पर रखा गया है।

बड़ा हादसा टला, स्थिति पर नजर

हालांकि, अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, जो राहत की बात है। प्रशासन का कहना है कि आग पर काबू पाने की कोशिश जारी है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। आग पूरी तरह बुझने के बाद ही नुकसान का आकलन और आग लगने के कारणों की पुष्टि की जा सकेगी। बड़ियातू हिल इलाके में फैली यह आग शहर के लिए एक बड़ी चेतावनी बनकर सामने आई है, खासकर ऐसे संवेदनशील क्षेत्रों में जहां सुरक्षा और पर्यावरण दोनों से जुड़े खतरे मौजूद हैं।

हॉप-ऑन, हॉप-ऑफ सर्विस, लंदन-स्टाइल में शहर टूर

बेंगलुरु में लगभग 27 साल बाद डबल-डेकर बसें फिर से सड़कों पर उतर चुकी हैं। कर्नाटक राज्य पर्यटन विकास निगम (KSTDC) ने 21 जनवरी को शहर में अपनी 'हॉप-ऑन, हॉप-ऑफ' दर्शनीय सेवा का शुभारम्भ किया। 1997 के बाद शहर में यह ऐसी पहली सेवा है, जो निवासियों और पर्यटकों को क बेंगलुरु के आकर्षणों का व्यवस्थित दर्शन का मौका देती है। गौरतलब है कि बेंगलुरु मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (BMTC) ने कुछ साल पहले इन प्रतिष्ठित बसों को फिर से शुरू करने का असफल प्रयास किया था। अब डरळऊ शहर के केंद्रीय सर्किट पर तीन डबल-डेकर बसें चलाएगा। प्रत्येक बस में 40 यात्रियों के बैठने की क्षमता होगी, जिनमें से 20 वातानुकूलित निचले डेक पर और 20 छत-खुले ऊपरी डेक पर बैठ सकेंगे

और खुले में शहर का खूबसूरत नजारा देख सकेंगे। यह सर्विस केवल पर्यटन पर केंद्रित है।

यह विशेष हॉप-ऑन, हॉप-ऑफ सेवा रवींद्र कलाक्षेत्र से शुरू होकर वहीं समाप्त होती है, जिसमें केंद्रीय बेंगलुरु के प्रमुख नागरिक-ऐतिहासिक क्षेत्र हैं। मार्ग में कॉर्पोरेशन सर्कल, हडसन सर्कल और कस्तूरबा रोड आते हैं।

सम्पादकीय

शंकराचार्य! पद व मार्यादा

पिछले कुछ दिनों से भाजपा प्रशासन और शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद जी महाराज में भयंकर विवाद छिड़ा हुआ है। एक तरफ शंकराचार्य जी और अन्य साधु-संत हैं तो दूसरी तरफ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनका मेला प्रशासन है। सारा मामला शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के प्रयागराज में गंगा स्नान न करने को लेकर शुरू हुआ। प्रयागराज में चल रहे माघ मेले में मौनी अमावस्या के अवसर पर होने वाले पारंपरिक शाही स्नान को लेकर ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और मेला प्रशासन के बीच स्वामी जी के पालकी पर सवार होकर स्नान को लेकर शुरू हुआ।

प्रशासन ने स्वामी जी की पालकी पर स्नान करने से रोका, इस पर प्रशासन और स्वामी जी के समर्थकों में हाथापाई तक हो गई। स्वामी जी का कहना है कि प्रशासन के अधिकारियों ने न केवल स्वामी जी की पालकी को तोड़ने का प्रयास किया बल्कि उनके समर्थक साधु-भक्तों को जटा से पकड़कर मारा-पीटा और जेल में ठूंस दिया। इसके विरोध में शंकराचार्य जी ने धरना शुरू कर दिया जो अब भी जारी है। स्वामी जी का कहना है कि प्रशासन की माफी के बिना वे अपने आश्रम में प्रवेश नहीं करेंगे और मौके पर ही धरने पर बैठ गए। इस बीच मेला प्रशासन ने उन्हें नोटिस जारी करते हुए 24 घंटे में ये साबित करने को कहा है कि वे शंकराचार्य कैसे हैं? मेला प्रशासन ने शंकराचार्य जी से पूछा है कि उन्होंने अपने नाम के साथ शंकराचार्य की उपाधि क्यों जोड़ी? नोटिस में ये भी कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन एक मामला अभी तक समाप्त नहीं हुआ है, ऐसे में किसी भी धर्माचार्य को ज्योतिष पीठ का शंकराचार्य की मान्यता प्राप्त नहीं है। बावजूद इसके, स्वामी जी ने मेला क्षेत्र में बोर्डों पर अपने नाम के आगे ये शीर्षक लिखवा दिया। बता दें कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को उनके गुरु स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के निधन बाद शंकराचार्य बनाया गया था। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का पट्टा अभिषेक भी शंकराचार्य ने किया था।

अब स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता एके मिश्रा के माध्यम से प्रधिकरण को आठ पन्नों का जवाब भेजा है। अपने जवाब में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने मेला प्रधिकरण के आरोपों को सिरे से नकार दिया और कहा कि वे शंकराचार्य हैं। स्वामी जी ने 15 बिदुओं में प्रयागराज मेला प्रधिकरण को जवाब दिया है। उन्होंने लिखा, सोमवार को आपकी (मेला प्रधिकरण) ओर से नोटिस सम्मानित अविमुक्तेश्वरानंद को बदनाम और अपमानित करने के बुरे इरादे से जारी किया गया है। जो मनमाना, द्वेषपूर्ण और भेदभावपूर्ण है। शारदा मठ द्वारका के जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती महाराज की वसीयत का भी जिक्र दिया गया है। त्रिवेणी मार्ग शिविर के बाहर प्रोसवार्ता में मेला प्रधिकरण के नोटिस पर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि नोटिस में सुप्रीम कोर्ट के जिस आदेश का हवाला दिया गया है वो 14 अक्टूबर 2022 का है जबकि 11 सितम्बर 2022 को शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के ब्रह्मलीन होने के अगले दिन 12 सितम्बर को स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के आश्रम में शंकराचार्य के तौर पर उनका पट्टाभिषेक हो चुका था। जिस तरह से मेला प्रशासन ने शंकराचार्य और उनके अनुयायियों के साथ व्यवहार किया। उनकी उपेक्षा नहीं की जाती। धर्म गुरुओं को इस तरीके से अपमानित करना शर्मनाक है और साधुओं को जटाओं से पकड़ कर पीटना उससे भी ज्यादा निंदनीय है। अब तो शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी के पक्ष में अन्य शंकराचार्य और संत खड़े हो गए हैं।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जो खुद भी चाहते हैं कि मामले को निपटाने का प्रयास करना चाहिए। मेला प्रशासन शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद जी से माफी मांगे और उन्हें बाइज्जत गंगा स्नान करवा दे तो विवाद समाप्त हो सकता है। अगर ऐसा नहीं होता तो यह विवाद बढ़ता जाएगा और तमाम साधु समाज मैदान में उतर आएंगे।

अमेरिका का गेम प्लान फेल! भारत ने चला ऐसा दांव कि आधे टैरिफ हटाने को मजबूर हुए ट्रंप

(जीएनएस)।

अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट के हालिया बयान ने भारत-अमेरिका व्यापारिक रिश्तों में एक नई हलचल पैदा कर दी है। बेसेंट का कहना है कि भारत पर लगे कुल 50% टैरिफ में से आधा यानी 25% हटाया जा सकता है। अमेरिका का मानना है कि भारत ने रूस से तेल खरीदना काफी कम कर दिया है, जिससे उस पर बनाया गया दबाव सफल रहा।

हालांकि, भारत सरकार ने इन दावों को पूरी तरह सही नहीं माना है। यह पूरा मामला व्यापार घाटे और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के इर्द-गिर्द घूम रहा है, जो आने वाले समय में दोनों देशों के आर्थिक संबंधों की दिशा तय करेगा।

व्यापार असंतुलन और पहला टैरिफ

अमेरिका ने शुरूआत में भारत पर 25% का टैरिफ इसलिए लगाया था क्योंकि उसे दोनों देशों के बीच व्यापार का संतुलन बिगड़ा हुआ लगा। अमेरिकी अधिकारियों का मानना था कि भारत वहां से कम सामान मंगा रहा है और अपना निर्यात बढ़ा रहा है, जिससे अमेरिका को घाटा हो रहा है। इस टैक्स का मकसद अमेरिकी सामान को भारतीय बाजार में बराबरी का मौका देना था। अमेरिका चाहता है कि भारत अपनी नीतियों में बदलाव करे ताकि दोनों देशों के बीच व्यापार का लेन-देन बराबर का हो सके।

रूस से तेल और दूसरा टैरिफ

दूसरा 25% टैरिफ पूरी तरह से रूस-यूक्रेन युद्ध और अंतरराष्ट्रीय राजनीति से जुड़ा था। जब भारत ने रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदना जारी रखा, तो अमेरिका ने दबाव बनाने के लिए यह अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया। अमेरिका की कोशिश थी कि रूस की कमाई के रास्ते बंद किए जाएं और भारत जैसे बड़े खरीदार वहां से तेल लेना कम कर दें। बेसेंट के मुताबिक, यह टैरिफ एक रणनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल किया गया था ताकि भारत को रूस से दूर किया जा सके।

टैरिफ घटने की उम्मीद और शर्त

वित्त मंत्री बेसेंट ने संकेत दिया है कि अब जबकि भारत की रूसी तेल पर निर्भरता कम हुई है, अमेरिका अपने कड़े रुख में ढील दे सकता है। उन्होंने कहा कि रूस से तेल की खरीद बंद होने की वजह से अब 25% टैरिफ हटाने का रास्ता साफ हो गया है। हालांकि, यह अभी सिर्फ एक प्रस्ताव या विचार है और इसे पूरी तरह लागू होने में थोड़ा वक्त लग सकता है। अमेरिका यह देख रहा है कि भारत भविष्य में अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए किस तरफ रुख करता है।

'यूरोपीय संघ की रणनीति बेवकूफी भरा'

बेसेंट ने यूरोपीय संघ (EU) की रणनीति की आलोचना करते हुए उसे 'बेवकूफी' भरा बताया। उनका कहना है कि यूरोप एक तरफ भारत के साथ बड़ा व्यापार समझौता करना चाहता है और दूसरी तरफ वहीं से रिफाइंड तेल खरीद रहा है, जो असल में रूस का हो सकता है। अमेरिका इसे अपनी ऊर्जा सुरक्षा और कूटनीति के खिलाफ मानता है। वहीं, भारत सरकार ने साफ किया है कि वह अपनी ऊर्जा जरूरतों के हिसाब से फैसले लेती है और रूस से तेल खरीद बंद करने के अमेरिकी दावों में पूरी सच्चाई नहीं है।

पाकिस्तान, चीन और नेपाल में कब मनाया जाता है गणतंत्र दिवस? चौंका देगा इतिहास

(जीएनएस)।

हर साल 26 जनवरी को भारत गणतंत्र दिवस मनाता है, जब देश ने अपना संविधान अपनाकर खुद को एक संप्रभु गणराज्य घोषित किया था। लेकिन भारत अकेला ऐसा देश नहीं है। उसके पड़ोसी देशों में भी अलग-अलग ऐतिहासिक परिस्थितियों में गणतंत्र की स्थापना हुई और उनके अपने रिपब्लिक डे हैं।

कहीं राजशाही का अंत हुआ, कहीं धर्म और राजनीति का मेल दिखा, तो कहीं क्रांति के बाद नया शासन तंत्र बना। इस रिपोर्ट में जानते हैं कि, भारत जब गणतंत्र दिवस की तैयारियों में जुटा है, तब उसके पड़ोसी देशों के रिपब्लिक डे कब और कैसे मनाया जाता है।

भारतः संविधान और गणतंत्र की तैयारी

भारत में 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाया जाता है, क्योंकि इसी दिन 1950 में संविधान लागू हुआ था। इस दिन की सबसे बड़ी पहचान नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर होने वाली भव्य परेड है, जहां भारत की सैन्य ताकत, सांस्कृतिक विविधता और लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रदर्शन होता है। स्कूलों, सरकारी दफ्तरों और राज्यों में भी विशेष कार्यक्रम होते हैं। भारत के लिए गणतंत्र दिवस सिर्फ एक तारीख नहीं, बल्कि 'जनता सर्वोच्च है' के सिद्धांत का उत्सव है।

राजा से जनता तक सत्ता का सफर

नेपाल में 28 मई को गणतंत्र दिवस मनाया जाता है, जब 2008 में शाह राजाओं के 240 वर्षों के शासन का अंत हुआ और नेपाल संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य बना। यह दिन केवल राजा हटने का प्रतीक नहीं, बल्कि सत्ता जनता के हाथ में आने और लोकतंत्र की स्थापना का प्रतीक है। नेपाल का वर्तमान संविधान 20 सितंबर 2015 को लागू हुआ, जिसने 2007 के अंतरिम संविधान की जगह ली और देश को स्थायी संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित किया। गणतंत्र दिवस नेपाल का राष्ट्रीय अवकाश है और इस दिन देशभर में विभिन्न सरकारी और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

पीपुल्स रिपब्लिक की स्थापना

चीन में 1 अक्टूबर को नेशनल डे मनाया जाता है, जो 1949 में पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की स्थापना का दिन है। माओत्से तुंग के नेतृत्व में हुई क्रांति के बाद चीन ने खुद को गणराज्य घोषित किया। हालांकि चीन का शासन मॉडल भारत से अलग है, लेकिन 'रिपब्लिक' शब्द यहां भी सत्ता के पुराने ढांचे से बदलाव का प्रतीक है। इस दिन चीन में सैन्य परेड और राष्ट्रीय कार्यक्रमों का आयोजन होता है।

: अलग रास्ते, अलग गणतंत्र

पाकिस्तान में 23 मार्च को पाकिस्तान दिवस मनाया जाता है, क्योंकि 1956 में इसी दिन पहला संविधान लागू हुआ और देश इस्लामिक गणराज्य बना। वहीं ईरान में 1 अप्रैल को इस्लामिक रिपब्लिक डे मनाया जाता है, जब जनमत संग्रह के बाद देश ने राजशाही छोड़कर इस्लामिक गणराज्य का रास्ता चुना। ये दोनों उदाहरण दिखाते हैं कि पड़ोसी देशों में गणतंत्र की अवधारणा धर्म, राजनीति और इतिहास से अलग-अलग तरह से जुड़ी हुई है।

सौरव गांगुली की बायोपिक पर फिल्ममेकर लव रंजन ने दिया बड़ा अपडेट, बताया कब शुरू होगी शूटिंग

(जीएनएस)।

भारतीय क्रिकेट के सबसे प्रभावशाली कप्तानों में शुमार सौरव गांगुली के जीवन पर बनने वाली बहुप्रतीक्षित बायोपिक को लेकर अब एक बड़ा और ठोस अपडेट सामने आया है। लंबे समय से इस फिल्म को लेकर कयास लगाए जा रहे थे, लेकिन अब यह तय हो चुका है कि 'प्रिंस ऑफ कोलकाता' के किरदार में बॉलीवुड के दमदार अभिनेता राजकुमार राव नजर आएंगे। इसके साथ ही फिल्म की शूटिंग शुरू होने की नई तारीख भी सामने आ गई है, जिससे क्रिकेट और सिनेमा, दोनों के प्रशंसकों में उत्साह बढ़ गया है।

इस बायोपिक का निर्माण फिल्ममेकर लव रंजन कर रहे हैं। उन्होंने हाल ही में पिंकविला को दिए एक इंटरव्यू में अपनी आगामी परियोजनाओं पर खुलकर बात की। बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि उनकी प्रोडक्शन कंपनी ने हाल ही में अजय देवगन के साथ एक बड़ी एक्शन फिल्म पूरी की है, जिसकी

रिलीज इसी साल के अंत में तय है और इसकी आधिकारिक घोषणा पहले ही की जा चुकी है।

सौरव गांगुली की बायोपिक को लेकर लव रंजन ने स्पष्ट किया कि यह उनकी अगली प्रमुख परियोजनाओं में से एक है। उन्होंने बताया कि अब यह फिल्म मार्च 2026 से फ्लोर पर जाएगी। उनके मुताबिक, "हम बहुत जल्द मार्च 2026 में सौरव गांगुली की बायोपिक की शूटिंग शुरू करने जा रहे हैं। इस प्रोजेक्ट पर फिलहाल सक्रिय रूप से काम चल रहा है।" इस बयान के बाद यह साफ हो गया है कि फिल्म की तैयारी अंतिम चरण में पहुंच चुकी है।

गौरतलब है कि इससे पहले मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि इस बायोपिक की शूटिंग जनवरी 2026 से शुरू हो सकती है। हालांकि, प्री-प्रोडक्शन से जुड़ी कुछ वजहों के चलते शेड्यूल में बदलाव किया गया और अब नई तारीख मार्च 2026 तय की गई है। इस देरी के बावजूद मेकर्स फिल्म को भव्य और तथ्यात्मक रूप से मजबूत बनाने में कोई कमी नहीं छोड़ना चाहते।

राजकुमार राव के इस रोल को लेकर भी खासा उत्साह है। अपनी शानदार अभिनय क्षमता के लिए पहचाने जाने वाले राजकुमार राव के लिए सौरव गांगुली जैसे करिश्माई क्रिकेटर का किरदार निभाना एक बड़ी चुनौती माना जा रहा है। वहीं, गांगुली के प्रशंसकों को उम्मीद है कि यह फिल्म भारतीय क्रिकेट के उस दौर को पर्दे पर जीवंत करेगी, जब टीम इंडिया ने आक्रामक और आत्मविश्वासी सोच के साथ एक नई पहचान बनाई थी।

अब मार्च 2026 से शुरू होने वाली शूटिंग के साथ, यह बायोपिक भारतीय सिनेमा की सबसे चर्चित स्पोर्ट्स फिल्मों में शामिल होने की ओर बढ़ती नजर आ रही है।

शान से लहराया तिरंगाः कलर्स के सितारों ने साझा किए दिल छू लेने वाले गणतंत्र दिवस संदेश

कलर्स के 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' से कृष्णा अभिषेक कहते हैं, 'मेरे लिए गणतंत्र दिवस भारत की खासियतों का जश्न मनाने का दिन है। घर पर हम सभी टीवी के सामने बैठकर गणतंत्र दिवस परेड देखते हैं और अपने बच्चों व कश्मीरा के साथ उस पल को साझा करना हमेशा खास होता है। वही एहसास लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट में भी दिखता है, जहां अलग-अलग पृष्ठभूमि के लोग साथ आकर खाना बनाते हैं, हँसते हैं और मनोरंजन करते हैं। हर कोई अपनी अलग खुशबू और स्वाद लाता है, और यही शो की खूबसूरती है। अब टीम कांटा और टीम छुरी के बीच होने वाले फाइनल फेस-ऑफ के साथ सारा मजा और अफरा-तफरी एक साथ देखने को मिलेगी। ऐसे शो का हिस्सा बनकर मुझे गर्व होता है जो परिवारों को जोड़ता है और भारत की भावना को दशार्ता है। जय हिंद!'

कलर्स के 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' से तेजस्वी प्रकाश ने कहा, 'मुझे आज भी याद है कि बचपन में मैं सुबह-सुबह अपने सोसायटी में ध्वजारोहण के लिए दौड़ पड़ती थी। उस समय मन में गर्व की एक ऐसी भावना होती थी, जिसे शब्दों में बयान करना मुश्किल था। लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट के फाइनल फेस-ऑफ के करीब आते हुए मैं सोचती हूँ कि यह शो भारत जैसे खाने के शौकीन देश के करोड़ों लोगों के लिए क्या मायने रखता है। इस गणतंत्र दिवस पर मैं अपने सपनों को पूरा करने, लोगों का मनोरंजन करने और

उस देश का हिस्सा बनने के लिए आभारी हूँ जो हमें खुद बनने का हौसला देता है। आइए, हम सब अपने देश को गौरवान्वित करें। हैप्पी रिपब्लिक डे!'

'नागिन 7' में मुख्य भूमिका निभा रहीं प्रियंका चाहर चौधरी कहती हैं, 'जब भी मैं अपना राष्ट्रीय ध्वज देखती हूँ, तो उन दूरदर्शी नेताओं की याद आती है जिनकी वजह से हमें यह दिन मिला। गणतंत्र दिवस मुझे इस जिम्मेदारी का एहसास कराता है कि हमें अपने देश की रक्षा और सम्मान करना है। नागिन 7 में मेरा किरदार देश को अंधेरी ताकतों से बचाने के मिशन पर है—वह पहले महाकुंभ को ड्रैगन के विनाश से बचा चुकी है और अब उससे भी बड़े खतरों का सामना कर रही है। जैसे वह अडिग संकल्प के साथ भारत की रक्षा करती है, वैसे ही हम सभी की भी भूमिका है कि हम तिरंगे के मूल्यों को बनाए रखें। इस गणतंत्र दिवस पर मैं हर उस भारतीय को सलाम करती हूँ जो हमारे देश को वैश्विक मंच पर गौरवान्वित करता है। वंदे मातरम्!'

कलर्स के 'मन्नत हर खुशी पाने की' में विक्रांत का रोल निभाने वाले अदनान खान कहते हैं, "गणतंत्र दिवस हमें याद दिलाता है कि हम एक देश के तौर पर कौन हैं और हम किस चीज के लिए खड़े हैं। मुझे बहुत गर्व महसूस होता है कि मैं ऐसे देश का हिस्सा हूं जो समानता और विविधता में एकता की ताकत पर बना है। एक एक्टर के तौर पर, मैं शुक्रगुजार हूं कि मुझे 'मन्नत हर खुशी पाने की' जैसे शो के जरिए देश भर के दर्शकों का मनोरंजन करने और उनसे जुड़ने का मौका मिला, यह शो हर भारतीय घर से जुड़ा है। इस गणतंत्र दिवस पर, आइए हम जागरूक नागरिक बनकर, अन्याय के खिलाफ खड़े होकर और एक साथ मिलकर एक मजबूत, ज्यादा एकजुट भारत बनाने के लिए काम करके अपने संविधान का सम्मान करें। हैप्पी रिपब्लिक डे!"

कलर्स के शो 'मंगल लक्ष्मी' में मंगल का रोल निभाने वाली दीपिका सिंह कहती हैं, "मैं बहुत खुशकिस्मत महसूस करती हूं कि मुझे ऑनस्क्रीन यूनिफॉर्म वाली महिला के तौर पर याद किया जाता है, एक ऐसा किरदार जिसे दर्शकों, खासकर बच्चों ने अपने दिल के करीब रखा है।

पीसीबी चीफ मोहसिन नकवी भी दिखा रहे हेकड़ी, बांग्लादेश के बाद पाकिस्तान भी होगा आईसीसी टी20 वर्ल्डकप से बाहर?

(जीएनएस)।

आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 से जुड़े विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। टूर्नामेंट से बांग्लादेश के बाहर होने के बाद अब पाकिस्तान के शामिल होने पर भी संशय है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने भी हेकड़ी दिखानी शुरू कर दी है। नकवी ने कहा कि पाकिस्तान की टीम टूर्नामेंट में खेलेगी या नहीं, इसका अंतिम फैसला देश की सरकार करेगी।

यह टूर्नामेंट भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में 7 फरवरी 2026 से खेला जाना है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) ने सुरक्षा स्थितियों का हवाला देते हुए भारत में मैच खेलने से इनकार कर दिया था। हालांकि, आईसीसी ने बीसीबी की भारत के बाहर मैच कराने की मांग ठुकरा दी और बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन नकवी के हालिया बयान ने हलचल मचा दिया है। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान की टीम

टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेगी या नहीं, इसका फैसला पाकिस्तान सरकार करेगी। हम प्रधानमंत्री के देश लौटने का इंतजार कर रहे हैं।' उन्होंने बांग्लादेश के लिए एकजुटता दिखाते हुए कहा कि उनके साथ अन्याय हुआ है। पाकिस्तान सरकार हमें इस टूर्नामेंट का बहिष्कार करने के लिए कहती है, तो आईसीसी 22वीं टीम को शामिल कर सकती है।

नकवी के इस बयान से साफ है कि पीसीबी बांग्लादेश के साथ खड़े होने का संकेत दे रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि बांग्लादेश को अन्याय का शिकार नहीं बनाया जाना चाहिए। वह भी आईसीसी का अहम सदस्य है। उन्होंने यह भी कहा कि एक देश के लिए एक नियम और दूसरे के लिए दूसरा नहीं हो सकता है।

टूर्नामेंट से किया जा चुका है बाहर

बांग्लादेश को पहले ही इस टूर्नामेंट से बाहर किया जा चुका है। बीसीबी ने आईसीसी से अनुरोध किया था कि उनके मुकाबले भारत के बाहर कराए जाएं। हालांकि, 21 जनवरी को हुई आईसीसी बोर्ड बैठक में यह प्रस्ताव खारिज कर दिया गया। इसके बाद आईसीसी ने बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में शामिल कर लिया है। स्कॉटलैंड को ग्रुप सी में इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, नेपाल और इटली के साथ रखा गया है, जहां पहले बांग्लादेश को जगह मिली थी।

ऐसे में अगर पाकिस्तान भी टूर्नामेंट से बाहर होता है, तो आईसीसी को एक और नई टीम को शामिल करना पड़ेगा। इससे टूर्नामेंट की साख और शेड्यूल दोनों पर असर पड़ सकता है।

'2 मर्दों ने कमर छुआ, अश्लील वीडियो बनाया', मौनी रॉय के साथ सरेआम हुई ऐसी छेड़छाड़, जानकर हो जाएंगे सुन्न

(जीएनएस)।

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस मौनी रॉय ने हरियाणा के करनाल में आयोजित एक इवेंट के दौरान अपने साथ हुई बेहद शर्मनाक और परेशान करने वाली घटना का खुलासा किया है। एक्ट्रेस ने आरोप लगाया है कि कार्यक्रम में मौजूद कुछ लोगों ने उनके साथ छेड़छाड़, अश्लील हरकतें और अभद्र व्यवहार किया, जिससे वह अंदर तक हिल गई हैं।

फोटो के बहाने छेड़छाड़ का आरोप

मौनी रॉय ने ये पूरा वाकया इंस्टाग्राम स्टोरीज के जरिए शेयर किया है, जिसके बाद ये मामला सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। मौनी रॉय के मुताबिक जैसे ही वह कार्यक्रम शुरू होने से पहले मंच की ओर बढ़ रही थीं, दर्शकों में मौजूद कुछ मर्दों ने फोटोज लेने के बहाने उनकी कमर को छुआ था।

करनाल इवेंट में मौनी रॉय के साथ हुई बदसलूकी

मौनी रॉय ने इंस्टा स्टोरी पर लिखा है- करनाल में हुए इस इवेंट में मेहमानों का बर्ताव बेहद निराशाजनक था, खासकर उन दो अंकल लोगों का जो दादा-दादी की उम्र के थे। जैसे ही मैं स्टेज की ओर बढ़ी, उन्होंने फोटो लेने के नाम पर मेरी कमर पर हाथ रख दिया। जब मैंने उनसे हाथ हटाने को कहा, तो उन्हें ये बिल्कुल पसंद नहीं आया।

स्टेज पर पहुंचते ही बिगड़ गए हालात

-मौनी रॉय ने बताया कि स्टेज पर पहुंचने के बाद हालात और भी खराब हो गए थे। सामने खड़े दो मर्दों ने उन्हें देखकर न सिर्फ अश्लील कमेंट्स किए बल्कि गंदे इशारे किए और गालियां भी दीं।

-मौनी राय ने बताया- मैंने पहले तो शालीनता से उन्हें रोकने की कोशिश की थी लेकिन इसके बाद उन्होंने मुझ पर गुलाब फेंकना शुरू कर दिया। परफॉर्मेंस के बीच में मैं स्टेज छोड़कर बाहर जाने लगी थी लेकिन फिर लौटकर शो पूरा किया। सबसे हैरानी की बात ये रही कि इस दौरान न तो आयोजकों ने कोई कदम उठाया और न ही परिवार के किसी सदस्य ने उन्हें रोका।

नई लड़कियों की सुरक्षा को लेकर जताई चिंता

घटना से आहत मौनी रॉय ने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में कदम रखने वाली नई लड़कियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने लिखा- अगर मेरे साथ ऐसा हो सकता है, तो मैं सोच भी नहीं सकती कि नई लड़कियां, जिन्होंने अभी-अभी काम शुरू किया है, उन्हें किन हालातों का सामना करना पड़ता होगा। मैं अपमानित और सदमे में हूं और चाहती हूं कि इस तरह के व्यवहार के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो।

'हम कलाकार हैं, अपराधी नहीं हैं'

मौनी रॉय ने साफ शब्दों में कहा कि कलाकार सिर्फ अपनी कला के जरिए ईमानदारी से रोजी-रोटी कमाने आते हैं। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा- सोचिए अगर कोई उनकी बेटियों, बहनों या परिवार की महिलाओं के साथ ऐसा ही व्यवहार करे तो वो क्या करेंगे? हम कलाकार हैं, इंसान हैं, कोई मनोरंजन की चीज नहीं है।" स्टेज के नीचे से वीडियो बनाने पर भी भड़कीं मौनी रॉय -मौनी रॉय ने एक और इंस्टा स्टोरी में बताया कि कुछ लोग स्टेज के नीचे से गलत एंगल में उनका वीडियो बना रहे थे। जब उन्हें रोका गया तो उन्होंने गालियां देनी शुरू कर दी थीं।

-मौनी रॉय ने लिखा- मुझे अपने देश और संस्कृति से प्यार है लेकिन ये सब क्या है? मर्द होने का घमंड और खुली बेशर्मी। मैं आमतौर पर नेगेटिव चीजें पोस्ट नहीं करती लेकिन इस व्यवहार के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। एक्ट्रेस ने आगे लिखा- इस व्यवहार के लिए मेरे पास कोई शब्द या गाली नहीं है जो इसे सही ठहरा सके। हम कलाकार इन कार्यक्रमों में दूल्हा-दुल्हन को बधाई देने और उनकी खुशी में चार चांद लगाने के लिए जाते हैं। हम उनके मेहमान हैं और वो लोग हमें इस तरह परेशान करते हैं। छी- ये सब गलत है।

मौनी रॉय के प्रोजेक्ट्स

आपको बता दें कि मौनी रॉय को आखिरी बार संजय दत्त और सनी सिंह के साथ फिल्म 'द भूतनी' में देखा गया था। इसके अलावा वह ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई स्पाई थ्रिलर फिल्म 'सलाकार' में भी नजर आई थीं, जिसे दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी।

प्यार के लिए इस टीएमसी नेता ने छोड़ा मेयर पद और पार्टी, लिव-इन पार्टनर भरती है नाम का सिंदूर

पश्चिम बंगाल की राजनीति में कुछ नेताओं की निजी जिंदगी भी खूब चर्चा में रही है। इसमें पूर्व सांसद नुसरत जहां से लेकर प्रदेश बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष भी शामिल हैं।कोलकाता के पूर्व मेयर और वरिष्ठ नेता शोवन चटर्जी भी इस लिस्ट में हैं। उनकी 'खास दोस्त' बैसाखी बनर्जी के साथ प्रेम कहानी लंबे समय से राजनीतिक गलियारों और मीडिया में

चर्चा का विषय बनती रही है। बैसाखी बिना शादी के ही शोवन के नाम का सिंदूर लगाती हैं।

बताया जाता है कि शोवन चटर्जी और बैसाखी बनर्जी के बीच संबंधों की शुरूआत करीब 2009 में हुई थी। यह रिश्ता इतना मजबूत हो गया कि शोवन ने तलाक की अर्जी दे दी। बैसाखी एक कॉलेज में पढ़ाती थीं और उसी दौरान उनकी मुलाकात शोवन से हुई थी।

हालांकि, शोवन पहले से शादीशुदा थे। उन्होंने 2001 में रत्ना चटर्जी से विवाह किया था, जिनसे उनका एक बेटा भी है।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

शंकराचार्य श्री अविमुक्तेश्वरानंदजी के साथ हुए दुर्व्यवहार के खिलाफ आप का प्रचंड विरोध

मणिनगर रेलवे स्टेशन पर अअढ अहमदाबाद शहर संगठन द्वारा विरोध प्रदर्शन

शंकराचार्य के साथ दुर्व्यवहार कर भाजपा ने हिंदुओं की आस्था को ठेस पहुंचाई : अअढ का आरोप

शंकराचार्य के अपमान के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन करने वाले अअढ नेताओं और कार्यकताओं की गिरफ्तारी

शंकराचार्य का अपमान करने वाली भाजपा का सनातन से कोई लेना-देना नहीं : विजय पटेल अअढ

भाजपा राजनीतिक पार्टी नहीं बल्कि कॉर्पोरेट कंपनी है, जो धर्म का उपयोग करती है : विजय पटेल

साधु-संतों के अपमान के लिए भाजपा माफी मांगे : विजय पटेल

अहमदाबाद/गुजरात

आम आदमी पार्टी अहमदाबाद शहर समिति द्वारा प्रयागराज में जगद्गुरु शंकराचार्य श्री अविमुक्तेश्वरानंदजी के साथ हुए दुर्व्यवहार को लेकर विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में अहमदाबाद शहर अध्यक्ष विजय पटेल, मालधारी सेल प्रदेश अध्यक्ष गुजरात किरण देसाई, अरअढ मध्य जोन अध्यक्ष यात्रिक पटेल, अरअढ अहमदाबाद शहर अध्यक्ष तीर्थ श्रीमाली, महिला शहर अध्यक्ष सिद्धिबेन भावसार, अहमदाबाद शहर उपाध्यक्ष अल्पेश सोलंकी, अहमदाबाद शहर उपाध्यक्ष दिनेश टांक, अहमदाबाद शहर मंत्री मुकेशभाई, असारवा विधानसभा प्रभारी जगदीश वणजारा, युवा मंत्री अहमदाबाद शहर कश्यप पटेल, थलतेज वार्ड अध्यक्ष चिरागभाई देसाई सहित स्थानीय पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे थे। इस कार्यक्रम में भाजपा सरकार ने एक बार फिर पुलिस का दुरुपयोग कर आम आदमी पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं की गिरफ्तारी की थी।

इस विरोध प्रदर्शन के दौरान आम आदमी पार्टी के अहमदाबाद शहर अध्यक्ष विजय पटेल ने कहा कि भाजपा कोई राजनीतिक पार्टी नहीं बल्कि एक कॉर्पोरेट कंपनी है, जो जरूरत के अनुसार धर्म और साधु-संतों का उपयोग कर सत्ता पर बैठी है, लेकिन वास्तव में भाजपा का सनातन धर्म से कोई लेना-देना नहीं है। ज्योतिष मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंदजी के साथ भाजपा प्रशासन ने जिस तरह का व्यवहार किया है वह अत्यंत निंदनीय है, उनके शिष्यों के साथ भी जिस प्रकार का व्यवहार किया गया है, उसे देखकर हिंदुओं की आस्था को ठेस पहुंची है। आज भाजपा को सत्ता का इतना अहंकार हो गया है कि हिंदू परंपरा में सर्वोच्च माने जाने वाले शंकराचार्य से भाजपा, शंकराचार्य होने का प्रमाणपत्र मांगती है, जो अत्यंत निंदनीय है। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंदजी के साथ हुए इस व्यवहार के लिए भाजपा माफी मांगे, इसी मांग के साथ आज आम आदमी पार्टी अहमदाबाद शहर संगठन द्वारा मणिनगर रेलवे स्टेशन पर प्रचंड विरोध प्रदर्शन किया गया था।

आम आदमी पार्टी गुजरात

आगामी बजट में जीएसटी पंजीकरण सीमा बढ़ाने की आवश्यकता:अमन गुप्ता

अमन गुप्ता, सीए

फतेहपुर। वस्तु एवं सेवा कर (GST) प्रणाली लागू होने के बाद से ही छोटे और मध्यम व्यवसायों (MSME) के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। वर्तमान में सेवा क्षेत्र के लिए 20 लाख और वस्तु व्यापार के लिए 40 लाख का टर्नओवर जीएसटी पंजीकरण की अनिवार्यता तय की गई है, जो 1 जुलाई 2017 से लागू है। लगभग 8 वर्षों से इस सीमा में कोई वृद्धि नहीं हुई है, जबकि इन वर्षों में महंगाई दर, किराया, वेतन, कच्चे माल और अन्य व्यावसायिक लागतों में लगातार वृद्धि हुई है। परिणामस्वरूप बहुत से छोटे व्यवसाय केवल मुद्रास्फीति के कारण जीएसटी के दायरे में आ रहे हैं, न कि वास्तविक व्यापार वृद्धि के कारण। जीएसटी पंजीकरण के साथ जुड़ी अनुपालना जिम्मेदारियां जैसे मासिक/त्रैमासिक रिटर्न फाइलिंग व ई-वे बिल और अन्य प्रक्रियात्मक खर्च, छोटे व्यापारियों पर भारी बोझ डालते हैं। इसके कारण उनका समय और संसाधन व्यापार विकास की बजाय अनुपालन में लग जाते हैं। इस संदर्भ में आगामी बजट में सरकार से अपेक्षा है कि जीएसटी पंजीकरण सीमा को मुद्रास्फीति और व्यापार की वास्तविक स्थिति के अनुरूप बढ़ाया जाए। सेवा क्षेत्र के लिए 20 लाख से बढ़ाकर 30-40 लाख, वस्तु व्यापार के लिए 40 लाख से बढ़ाकर 60-75 लाख किया जाय। इस तरह की वृद्धि से एमएसएमई क्षेत्र को वास्तविक राहत मिलेगी, व्यापार का बोझ कम होगा तथा ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में सुधार आएगा। इसके साथ ही स्वैच्छिक कर अनुपालन भी बढ़ेगा, जो अर्थव्यवस्था के लिए लाभकारी होगा। आर्थिक नीतियों का उद्देश्य केवल कर संग्रह नहीं, बल्कि छोटे और मध्यम व्यापारियों को सशक्त बनाना और रोजगार सृजन को बढ़ावा देना भी होना चाहिए। इसलिए आगामी बजट में जीएसटी पंजीकरण सीमा में यह समयोचित संशोधन न केवल आवश्यक है, बल्कि बेहद स्वागत योग्य भी होगा।

मुख्यमंत्री योगी समेत भाजपा के राष्ट्रीय और प्रदेश अध्यक्ष आ रहे वृंदावन : मुख्यमंत्री, राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश अध्यक्ष एक साथ सुनेंगे 'मन की बात'

-चप्पे-चप्पे पर रहेगा सख्त पहरा

-प्रशासन कर रहा दिन-रात तैयारी

राष्ट्रीय अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी श्री नितिन नबीन व माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश श्री योगी आदित्यनाथ जी के जनपद मथुरा आगमन के दृष्टिगत श्रीमान मण्डलायुक्त महोदय आगरा मण्डल आगराए पुलिस उप.महानिरीक्षक आगरा परिक्षेत्र आगराए जिलाधिकारी मथुरा व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मथुरा द्वारा थाना वृन्दावन क्षेत्रान्तर्गत चन्द्रोदय मन्दिर व आस.पास के क्षेत्र में भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया एवं सर्व.सम्बन्धित को आवश्यक दिशा.निर्देश दिये गये ।

मथुरा (जीएनएस)। श्रीकृष्ण की नगरी में आज भाजपा के राष्ट्रीय और प्रदेश अध्यक्ष के साथ ही मुख्यमंत्री योगी भी विभिन्न कार्यक्रम में शामिल होने आ रहे हैं। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम "मन की बात" के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ साथ ही भाजपा के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी एक साथ वृंदावन पहुंच रहे हैं। वृंदावन में अक्षय पात्र स्थित चंद्रोदय मंदिर परिसर में आयोजित होने वाले कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा-व्यवस्था कड़ी की जा रही है। बताया जाता है कि कार्यक्रम के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रदेश अध्यक्ष और मुख्यमंत्री योगी, प्रभु श्रीबांकेबिहारी जी के दर्शन कर पूजा-अर्चना करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मांट से भाजपा विधायक राजेश चौधरी के आवास पर पहुंचकर उनकी माताजी के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करेंगे। मुख्यमंत्री के साथ ही भाजपा के राष्ट्रीय और प्रदेश अध्यक्ष के आने की खबर मिलते ही अधिकारी निरीक्षण में जुटे हुए हैं, रातों-रात सड़कें गड्ढा मुक्त की जा रही हैं। मुख्यमंत्री योगी के आगमन को देखते हुए डीएम चन्द्र प्रकाश सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार ने शनिवार को खुद मोर्चा संभाल लिया है। डीएम और एसएसपी ने कार्यक्रम स्थलों और प्रस्तावित मार्गों का बारीकी से निरीक्षण किया। इसी के साथ नगर निगम, लोक निर्माण विभाग और बिजली विभाग की टीम सड़कों को गड्ढामुक्त करने, रंग-रोगन और स्ट्रीट लाइटें दुरुस्त करने में जुटी हुई हैं। नए बस स्टैंड से लेकर बिरला मंदिर मार्ग को चकाचक किया जा रहा है। वहीं सुरक्षा-व्यवस्था को लेकर पुलिस-प्रशासन सख्त दिखाई दे रहा है। डीगगेट पुलिस चौकी के सामने से अस्थाई अतिक्रमण और मंडी को प्रशासन ने हटवा दिया है। भारी संख्या में पुलिस फोर्स की तैनाती के साथ-साथ खुफिया एजेंसियां भी सक्रिय हो गई हैं। नए बस स्टैंड पुल के निकट दोनों साइड पर्दे लगा दिए गए हैं, जिससे मुख्यमंत्री को गंदगी दिखाई ना दे। आज (रविवार) सुबह बाजना कट से कार्यक्रम की शुरूआत होगी। मांट के भाजपा विधायक राजेश चौधरी के मुताबिक रविवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी अपने दौरे की शुरूआत सुबह 9:30 बजे मांट तहसील क्षेत्र के बाजना कट पर आयोजित कार्यक्रम से करेंगे।

शराबियों ने युवक पर किया जानलेवा हमला, गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर

खखरेरू / फतेहपुर थाना क्षेत्र के परवेजपुर गांव में घर के बाहर अलाव ताप रहे एक युवक पर शराब के नशे में धुत युवकों ने लाठी-डंडों से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल युवक की हालत नाजुक देखते हुए चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया है।

पीड़ित बछराज पुत्र करमू निषाद ने थाने में दी गई तहरीर में बताया कि वह कल शाम करीब 7 बजे अपने घर के बाहर अलाव ताप रहा था। इसी दौरान गांव के ही विकास, पीयूष, विमलेश और समीर शराब के नशे में लाठी-डंडा लेकर उसके घर के सामने पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। जब पीड़ित ने इसका विरोध किया तो चारों आरोपियों ने उस पर हमला कर जमकर मारपीट की, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खखरेरू ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

इस संबंध में थाना प्रभारी विद्या प्रकाश सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत करके अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

बभन पुरवा में सुनसान घर को चोरों ने बनाया निशाना, कुंडी काटकर लाखों के जेवरात चोरी

खखरेरू / फतेहपुर थाना क्षेत्र की ग्राम सभा किशनपुर चिरई के मजरे बभन पुरवा में अज्ञात चोरों ने सुनसान पड़े एक शिक्षक के घर को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये मूल्य के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। चोरों ने मुख्य दरवाजे की कुंडी काटकर घर में प्रवेश किया और अलमारी का लॉकर तोड़कर कीमती सामान चोरी कर ले गए।

पीड़ित शिक्षक अखिलेश नारायण मिश्र ने स्थानीय थाने में दी गई तहरीर में बताया कि वह 20 दिसंबर 2025 को प्रयागराज चले गए थे। उनके घर की देखरेख भाई सहित अन्य पारिवारिक सदस्य कर रहे थे। 24 जनवरी की सुबह उनके भतीजे मनोज कुमार ने फोन कर सूचना दी कि घर के मुख्य दरवाजे की कुंडी कटी हुई है और चोरी की आशंका है।

सूचना मिलने पर जब शिक्षक घर पहुंचे तो देखा कि मुख्य दरवाजा खुला पड़ा था तथा घर के अंदर रखी अलमारी का लॉकर टूटा हुआ था। अलमारी से 10 ग्राम की सोने की चेन, 5 ग्राम के सोने के टॉप्स और 50 ग्राम चांदी का ब्रेसलेट गायब पाए गए।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के लोगों से पूछताछ करते हुए विभिन्न बिंदुओं पर जांच-पड़ताल शुरू कर दी।

इस संबंध में थाना प्रभारी विद्या प्रकाश सिंह ने बताया कि चोरी की घटना की सूचना मिली है। मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही घटना का खुलासा करने का प्रयास किया जाएगा।

जमीन कब्जेदारी को लेकर दो पक्षों में मारपीट, आठ पर मुकदमा

(जीएनएस)।

फतेहपुर। सुल्तानपुर घोष थाना क्षेत्र भीखमपुर गांव में शुक्रवार दोपहर को जमीन के कब्जेदारी को लेकर मारपीट तथा गाली-गलौज करने के मामले में दरोगा की तहरीर पर दोनों पक्षों से आठ लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

थाने के उपनिरीक्षक रवीन्द्र कुमार ने बताया कि भीखमपुर गांव स्थित निमार्णाधीन घर के सामने जमीन कब्जेदारी को लेकर दो पक्ष एक दूसरे को मारपीट करते हुए, गाली-गालौज व जान से मारने के धमकी दे रहे थे। मामले में दोनों पक्षों को चोटें आईं हैं। प्रभारी निरीक्षक तेज बहादुर सिंह ने बताया कि प्रथम पक्ष से अंगद मौर्य, मंगल मौर्य, धुल्लू मौर्य निवासी संभुही थाना कड़ा जनपद कौशांबी हालपता भीखमपुर, अमित निवासी गढ़वाघाट थाना कौशांबी व एक अज्ञात व्यक्ति, द्वितीय पक्ष से अखिलेश उर्फ राहुल, जनकदुलारी, शिवबहादुर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

श्री कमलनयन बजाज की 111 वीं जयंती पर उनके जीवन और विरासत को समर्पित लघु फिल्म का लोकार्पण

श्री शिशिर बजाज और समस्त बजाज समूह परिवार ने अर्पित की श्रद्धांजलि

मुंबई, 23 जनवरी। भारत के प्रख्यात उद्योगपति और स्वाधीनता सेनानी श्री कमलनयन बजाज की 111वीं जयंती के अवसर पर उनकी गौरवशाली जीवन यात्रा को समर्पित विशेष लघु फिल्म का लोकार्पण उनके सुपुत्र और बजाज फाउंडेशन के अध्यक्ष श्री शिशिर बजाज द्वारा शुक्रवार, 23 जनवरी, 2026 को किया गया।

बजाज समूह परिवार द्वारा निर्मित और यू-ट्यूब पर उपलब्ध यह विशेष लघु फिल्म श्री कमलनयन बजाज के महान व्यक्तित्व और उनके असाधारण जीवन एवं युग को जीवंत करती है, जिन्होंने बजाज समूह की सच्ची उद्यमशील नींव रखी और भारत की आत्मनिर्भरता की यात्रा को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह स्मृतिजनक फिल्म श्री कमलनयन बजाज की उस यात्रा को दर्शाती है, जिसमें वे महात्मा गांधी से प्रेरित एक युवा स्वतंत्रता सेनानी से एक दूरदर्शी उद्योगपति और राष्ट्रनिर्माता बने। वे मानते थे कि व्यवसाय केवल लाभ कमाने का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र की सेवा करने का एक पुनीत देशभक्ति कर्तव्य है। 23 जनवरी, 1915 को जमनालाल बजाज और जानकीदेवी बजाज के घर जन्मे कमलनयन बजाज तीन महान व्यक्तित्वों के नैतिक प्रभाव में पले-बढ़े—अपने पिता जमनालाल बजाज, अपने मार्गदर्शक महात्मा गांधी और अपने गुरु आचार्य विनोबा भावे।

भारत के सुप्रसिद्ध उद्योगपति श्री कमलनयन बजाज की 111 वीं जयंती पर उनके जीवन पर निर्मित विशेष लघु फिल्म का एक दृश्य एवं नवनिर्मित लघु फिल्म का यू-ट्यूब लिंक। https://youtu.be/hLRYxLKb7jc?si=Hh8wqHu54ewEM0_3

जीवन में प्रवेश करते समय ही उनके मूल्य स्पष्ट थे। मात्र 15 वर्ष की आयु में उन्होंने दांडी मार्च में भाग लिया और स्वदेशी व खादी आंदोलनों के प्रारंभिक समर्थक बने। उस दौर में, जब आर्थिक सशक्तिकरण स्वतंत्रता आंदोलन के लिए आवश्यक था, वे मानते थे कि उद्देश्य पद या सत्ता से पहले आना चाहिए और उद्यम का लक्ष्य राष्ट्रीय हित की सेवा होना चाहिए। लघु फिल्म यह दर्शाती है कि कैसे कमलनयन बजाज ने सचेत रूप से ऐसे उद्योगों की स्थापना की, जिन्होंने भारत की आयात पर निर्भरता को कम किया और 'आत्मनिर्भर भारत' की परिकल्पना को उस समय साकार किया, जब यह शब्द प्रचलन में भी नहीं आया था। अभिलेखीय दृश्यों में उन्हें उत्तर प्रदेश की गोला चीनी मिल का बार-बार दौरा करते हुए दिखाया गया है, जिसे उनके पिता ने चीनी आयात को रोकने के लिए स्थापित किया था। इन दृश्यों में उनका परिवार और उनके छोटे पुत्र शिशिर भी दिखाई देते हैं, जिन्होंने आगे चलकर बजाज हिन्दुस्थान शुगर के बड़े विस्तार का नेतृत्व किया। फिल्म यह भी दर्शाती है कि किस प्रकार उन्होंने उस समय वैश्विक सहयोग स्थापित किये, जब भारत की अर्थव्यवस्था काफी कमजोर थी। ऐसा ही एक सहयोग बजाज इलेक्ट्रिकल्स के लिए वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स कम्पनी फिलिप्स के साथ था और दूसरा इतालवी स्कूटर निर्माता पियाजियो की वेस्पा के साथ, जिससे बजाज का ऑटोमोबाइल व्यवसाय शुरू हुआ। इन अग्रणी साझेदारियों ने कमलनयन बजाज को बजाज समूह का वास्तविक उद्यमी सिद्ध किया, जिन्होंने मूल्य-आधारित विरासत को एक वैश्विक स्तर पर सम्मानित औद्योगिक समूह में रूपांतरित किया। व्यवसाय से परे, कमलनयन बजाज 15 वर्षों तक महाराष्ट्र के वर्धा क्षेत्र से संसद सदस्य रहे और ग्रामीण समुदायों के सामाजिक व आर्थिक विकास के लिए स्वयं को समर्पित किया। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, राहत कार्यों और सांस्कृतिक संस्थानों को सुदृढ़ करने में निरंतर योगदान दिया। उन्होंने भारत के राजनीतिक एकीकरण में भी एक शांत किंतु महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, विशेष रूप से रियासतों के एकीकरण के दौरान सरदार वल्लभभाई पटेल की सहायता की। इस योगदान का उल्लेख वी.पी. मेनन ने अपनी पुस्तक में किया है। वीडियो में वर्धा स्थित बजाजवाड़ी को भी पुनः दर्शाया गया है, जो सौहार्द, संवाद और राष्ट्रीय सेवा का प्रतीक बन गई थी। यहां पंडित जवाहरलाल नेहरू, सुभाष चंद्र बोस, सरदार पटेल, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, लाल बहादुर शास्त्री, सरोजिनी नायडू, मोरारजी देसाई, खान अब्दुल गफ्फार खान और यहां तक कि नेपाल के राजा-रानी जैसे अनेक नेता आये। सेवाग्राम आश्रम में गांधीजी से मिलने के लिए ये यात्राएं" इतनी नियमित थीं कि महात्मा गांधी ने बजाजवाड़ी को 'राष्ट्रीय अतिथि गृह' कहा था। लोकार्पण के इस महत्वपूर्ण अवसर पर बजाज फाउंडेशन के चेयरमैन श्री शिशिर बजाज ने कहा कि मेरे पिता का मानना था कि जो हम बनाते हैं वह टिकाऊ होना चाहिये और जो टिकाऊ हो, उसे समाज की सेवा करनी चाहिये। उनके लिए उद्योग, सार्वजनिङ्क

लूट करने जा रहे लुटेरे से पुलिस की हुई मुठभेड़ : गोली मार से दो बदमाश हुए घायल

-घायल बदमाशों समेत तीन लुटेरे पकड़े

-लूट का माल और अवैध हथियार बरामद

मथुरा (जीएनएस)। थाना महावन क्षेत्र स्थित बरेली हाईवे के सर्विस रोड़ पर चिंताहरण मंदिर के पास महावन पुलिस और एंटी रिवार्डेड टीम की लूट करने जा रहे शातिर बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। पुलिस की गोली लगने से दो बदमाश लंगड़े हो गए। पुलिस ने घायलों समेत तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार एसएसपी श्लोक कुमार के निर्देशन एवं सीओ महावन श्वेता वर्मा के नेतृत्व में थाना प्रभारी महावन चेतराम शर्मा और एंटी रिवार्डेड टीम संदिग्धों की चेकिंग कर रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि लूट करके फरार चल रहे शातिर बदमाश पुनः किसी लूट की घटना को अंजाम देने के लिए जाने वाले हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी महावन चेतराम शर्मा और एंटी रिवार्डेड टीम के एसआई सावेज चौधरी पुलिस टीम में एंटी रिवार्डेड टीम के मुख्य आरक्षी विशाल गौतम, पवन भाटी, सोनू भाटी आदि के साथ चिंताहरण मंदिर मार्ग पर अंडरपास के निकट पहुंच गए। उसी दौरान बाइक सवार बदमाशों का पुलिस टीम ने पीछा किया तो कुछ आगे जाकर बाइक फिसल कर गिर गई। बाइक फिसलते ही बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस टीम ने जबावी कार्रवाई की तो शातिर बदमाश किशनवीर पुत्र हेतसिंह निवासी गांव परौली सुहागपुर थाना जैंथरा जिला एटा, हाल निवासी किराए का मकान नगला चन्द्रभान थाना हाईवे और रोहित उर्फ रोहताश पुत्र भूरी सिंह निवासी मैदुआ थाना बल्देव, हाल निवासी किराए का मकान नगला चन्द्रभान थाना हाईवे के पैरों में पुलिस की गोली लग गईं। साथियों के गोली लगते ही भागने का प्रयास कर रहे वरुण पुत्र मोहन सिंह निवासी गांव सोलना थाना सदर जिला आगरा हाल निवासी किराए का मकान नगला चन्द्रभान थाना हाईवे को भी पुलिस ने घेराबंदी करके दबोच लिया। इस संबंध में जानकारी देते हुए सीओ महावन श्वेता वर्मा ने बताया कि मुठभेड़ में पकड़े गए शातिर बदमाश पूर्व में लूट करके फरार चल रहे थे और आज फिर से लूट की घटना को अंजाम देने जा रहे थे। उसी बीच पुलिस टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए मुठभेड़ में तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पकड़े गए शातिर बदमाशों के कब्जे से लूटे गए मोबाइल बेचकर प्राप्त किए रूपयों में से 21 सौ रुपए, लूटे हुए मोबाइल, पर्स, घटनाओं मे प्रयुक्त बाइक, दो तमंचा और कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

श्रीराधावल्लभ नगर खालसा में संपन्न हुआ महंताई समारोह

-सनातन धर्म हमेशा समाज को जोड़ने का करता है कार्य : जगद्गुरू सतुआ बाबा

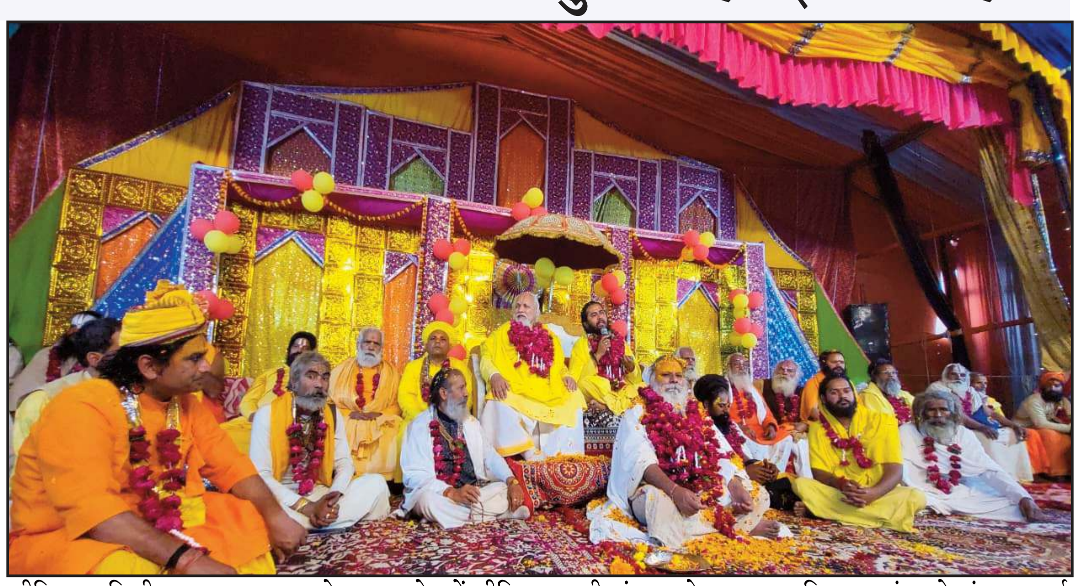

मथुरा (जीएनएस)। तीर्थराज प्रयागराज में संगम तट पर आयोजित माघ मेले के पावन अवसर पर आध्यात्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला जारी है। इसीक्रम में अखिल भारतीय श्रीपंच राधावल्लभीय निमोर्ही अखाड़ा (बड़ा रासमंडल, वृंदावन) के तत्वावधान में श्रीराधावल्लभ नगर खालसा (खाक चौक) में भव्य "महंताई पट्टाभिषेक" कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम अखिल भारतीय श्रीपंच राधावल्लभीय निमोर्ही अखाड़ा के अध्यक्ष महामंडलेश्वर श्रीमहंत श्रीहित लाड़िली शरण महाराज के सानिध्य में आयोजित किया गया। समारोह में श्रीविष्णु स्वामी संप्रदाय के जगदगुरू सतुआ बाबा महाराज मुख्य रूप से उपस्थित रहे। पवित्र मंत्रोच्चार और विधि-विधान के बीच महामंडलेश्वर श्रीहित लाड़िली शरण महाराज के पावन सानिध्य में जगदगुरू सतुआ बाबा ने श्रीराधावल्लभ नगर खालसा का महंत हरिवल्लभ शरण महाराज का तिल्कोत्सव-पट्टाभिषेक कर महंताई दी। इस अवसर पर खाक चौक के विभिन्न संप्रदायों के संत-महंतों ने श्रीराधावल्लभ नगर खालसा में बनाए गए नवनियुक्त महंत को मंगल बधाई एवं आशीर्वाद दिया। समारोह को संबोधित करते हुए जगदगुरू सतुआ बाबा महाराज ने कहा कि सनातन धर्म हमेशा समाज को जोड़ने का कार्य करता है। अखिल भारतीय श्रीपंच राधावल्लभीय निमोर्ही अखाड़ा के महंतजी साक्षात श्रीजी (राधारानी) के विशेष कृपा पात्र हैं। ऐसी रसिक विभूतियों का सानिध्य प्राप्त होना हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है, महाराजजी का जीवन ठाकुरजी और साधु-संतों की नित्य सेवा में समर्पित है। गौरतलब है कि बसंत पंचमी के पावन पर्व पर त्रिवेणी संगम में करोड़ों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। माघ मेले के आध्यात्मिक वातावरण में श्रीराधावल्लभ नगर खालसा में विभिन्न अखाड़ों के संतों की उपस्थिति ने माघ मेले की दिव्यता को और बढ़ा दिया है। बसंतोत्सव के पावन पर्व पर श्रीराधावल्लभ नगर खालसा में हजारों की संख्या में साधु-संतों एवं भक्तों ने प्रसादी ग्रहण की।

चौकी का भूमि पूजन संपन्न

थाना रामगांव मेटुकहा चौकी का भूमि पूजन संपन्न (जीएनएस)।

आज दिनांक 24 जनवरी 2026 को थानाध्यक्ष रामगांव गुरुसेन सिंह द्वारा चौकी प्रभारी नन्द किशोर सिंह, हेड कांस्टेबल अमरजीत, आरक्षी आसुतोष गुप्ता, पवन कुमार, अजीत वर्मा आदि के मौजूदगी मे चौकी के भूमि का पूजन किया गया

तेजरफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलटी : हादसे में कई लोग हुए घायल

मथुरा (जीएनएस)। थाना जैंत क्षेत्र स्थित परखम रोड़ पर पसौली की ओर जा रही ट्रैक्टर-ट्रॉली तेजरफ्तार में होने के कारण अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में सात लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची स्वास्थ्य विभाग की एम्बुलेंस से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे के वक्त मौजूद लोगों का कहना है कि ट्रैक्टर-ट्रॉली तेजरफ्तार में जा रहे थे, उसी दौरान अनियंत्रित होने पर सड़क पर पलट गई। घायलों की चीख सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। हादसे के बाद कुछ समय के लिए परखम मार्ग पर वाहन खड़े रहे। हादसे की सूचना मिलने पर108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंच गई। स्वास्थ्य कर्मियों ने घायलों को प्राथमिक उपचार देते हुए अस्पताल में भर्ती कराया। हादसे में रूबी पुत्री राधारमण, अनीता पत्नी तीर्थराज, गुंजन पुत्री तीर्थराज, सुमित पुत्र पप्पू, ऋषि पुत्र मुकेश, मुस्कान पुत्री प्रेमपाल और एक अन्य घायल हुए हैं। चिकित्सकों ने घायलों का उपचार करने के बाद दो मरीजों की गंभीर हालत होने बेहतर ईलाज के लिए उन्हें हॉयर सेंटर रैफर कर दिया है।

साध्वी प्राची कौन हैं? बोलीं-अखिलेश यादव पत्नी का सम्मान नहीं बचा पाए, सपा सरकार में शंकराचार्य पर चली लाठियां

(जीएनएस)। संभल में साध्वी प्राची ने अखिलेश यादव पर शब्दों की तलवार कुछ यूँ चलाई कि राजनीति का तापमान एकदम बढ़ गया। प्रयागराज महाकुंभ में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद और प्रशासन के बीच टकराव पर अखिलेश की टिप्पणियों को उन्होंने "गंदी राजनीति" बता दिया और याद दिलाया कि सपा शासनकाल में शंकराचार्य के साथ लाठी-डंडों की कड़वी कहानी भी रही है। प्राची का तंज साफ था-देश को ड्रामा नहीं, विकास चाहिए, और "देश सुरक्षित हाथों में है, उसे आगे बढ़ने दीजिए।"

चंदौसी में भाजपा नेता मुकेश सोम के आवास पर बोलते हुए साध्वी प्राची ने सपा पर मुस्लिम तुष्टिकरण का आरोप जड़ा और धर्मांतरण व 'लव जिहाद' जैसे मुद्दों को लेकर सपा की नीतियों पर निशाना साधा। उनका कहना था कि ये सवाल हवा में नहीं उठते, इनके पीछे राजनीतिक फैसलों की परछाइयां होती हैं-और जवाबदेही भी वहीं तय होनी चाहिए।

सपा सरकार में शंकराचार्य को लाठी-डंडो से पीटा गया

आखिर में प्राची ने इतिहास की फाइल भी खोल दी-मुलायम सिंह यादव के दौर में अयोध्या की घटना का जिक्र करते हुए कहा समाजवादी पार्टी की सरकार में शंकराचार्य को लाठी-डंडो से पीटा गया। निजी टिप्पणी का हवाला देकर उन्होंने अखिलेश को सलाह दी कि कटाक्ष छोड़िए, विकास पर ध्यान दीजिए-क्योंकि उत्तर प्रदेश ही नहीं, देश भी "सुरक्षित हाथों" में आगे बढ़ रहा है।

कौन हैं साध्वी प्राची?

साध्वी प्राची एक हिंदू राष्ट्रवादी और धार्मिक वक्ता हैं, जो अपने विवादित और तीखे बयानों के कारण अक्सर चर्चा में रहती हैं। साध्वी प्राची का मूल नाम प्राची आर्य है, इनका उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के सिरसली गांव में एक निम्न-मध्यम वर्गीय कोली परिवार में हुआ था। इनके पबता हरबीर सिंह आर्य और मां विद्योतमा आर्या है। इनके पिता एक सरकारी इंटर कॉलेज में शिक्षक थे। इन्होंने योग, वेद, ज्योतिष में एम.ए. और दर्शन/वेदों में पीएचडी की पढ़ाई की है।

साध् वी प्राची ने संघ परिवार से जुड़कर सार्वजनिक जीवन की शुरूआत की। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की महिला शाखा, राष्ट्रीय सेविका समिति में प्रशिक्षु और सदस्य के रूप में काम करते हुए, उन्हें मुख्य पहचान विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के सदस्य के तौर पर मिली। हालांकि संगठन ने स्पष्ट किया है कि वे उसकी आधिकारिक पदाधिकारी नहीं हैं।

वर्ष 1995 में उन्होंने भगवा वस्त्र धारण कर साध्वी जीवन अपनाया और इसके बाद धार्मिक-सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय हो गईं।

साध्वी प्राची ने भारतीय जनता पार्टी के लिए चुनाव भी लड़ा, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। वे मुख्य रूप से हिंदुत्व से जुड़े मुद्दों, जैसे 'लव जिहाद' आदि पर अपने बयानों के लिए जानी जाती हैं, जिन पर अक्सर विवाद और आलोचना होती रही है।

पेपर क्राफ्ट वर्ल्ड' में नन्हे बच्चों की रचनात्मकता का अद्भुत प्रदर्शन

लखनऊः

सेंट फ्रांसिस कॉलेज, हजरतगंज की कक्षा 1उ एवं 1ऊ के विद्यार्थियों ने 'पेपर क्राफ्ट वर्ल्ड' थीम पर आधारित एक रंगारंग हस्तशिल्प प्रदर्शनी में अपनी रचनात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शनी में पाँच आकर्षक वर्ग शामिल थे— बीन क्राफ्ट, लीफ क्राफ्ट, न्यूजपेपर क्राफ्ट, गणतंत्र दिवस पर आधारित क्राफ्ट तथा पेपर रोल क्राफ्ट।

प्रदर्शनी में बच्चों ने सरल, पर्यावरणझअनुकूल एवं पुनः उपयोग योग्य सामग्रियों का प्रयोग करते हुए रंग-बिरंगे बीन एनिमल्स, प्राकृतिक पत्तियों से बनी कलाकृतियाँ, समाचार पत्रों से निर्मित कल्पनाशील मॉडल, देशभक्ति से प्रेरित तिरंगे पर आधारित शिल्प और पेपर रोल से उपयोगी वस्तुएँ तैयार कीं। इन कलाकृतियों के माध्यम से बच्चों ने रचनात्मकता के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और पुनः उपयोग (री-यूज) का सशक्त संदेश भी दिया।

इस प्रदर्शनी का मार्गदर्शन श्रीमती अनिशा वर्मा एवं श्रीमती मोनिका थॉमस द्वारा किया गया, जिनके सहयोग और प्रोत्साहन से विद्यार्थियों ने आत्मविश्वास के साथ अपनी कल्पनाओं को कला के रूप में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में प्रारंभिक स्तर से ही हाथों से सीखने की प्रक्रिया (हैंड्स-ऑन लर्निंग), पर्यावरण जागरूकता और सृजनात्मक सोच को विकसित करना था।

यह आयोजन एक आनंददायक शिक्षण अनुभव में परिवर्तित हो गया, जिसने उपस्थित अभिभावकों एवं आगंतुकों को बच्चों की कल्पनाशीलता, परिश्रम और उत्साह से अत्यंत प्रभावित किया।

कल्बे आबिद वार्ड में भ्रष्टाचार का बड़ा खुलासा, सरकारी गली को बताया निजी, मुख्यमंत्री से एफआईआर की मांग,

(जीएनएस)।

लखनऊ। राजधानी के सआदतगंज क्षेत्र अंतर्गत कल्बे आबिद वार्ड रुस्तम नगर में सरकारी धन के दुरुपयोग और भ्रष्टाचार का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। स्थानीय निवासी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर आरोप लगाया है कि क्षेत्र में सीवर लाइन और सीसी रोड निर्माण में भारी अनियमितता बरती गई है।

शिकायतकर्ता के अनुसार, रुस्तम नगर में गली निर्माण के लिए सरकारी बजट स्वीकृत हुआ था। आरोप है कि स्थानीय निवासी हसन याकूब ने ठेकेदार के साथ सांठगांठ कर सड़क और सीवर का निर्माण केवल अपने निजी घर तक ही सीमित करवा दिया। इसके आगे का कार्य जानबूझकर रोक दिया गया, जिससे मोहल्ले के अन्य निवासी आज भी जलभराव और गंदगी के बीच रहने को मजबूर हैं।

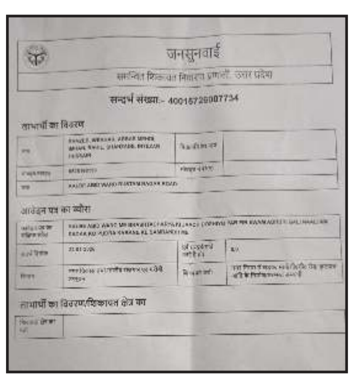
जनसुनवाई

शिकायत में सबसे गंभीर आरोप सरकारी संपत्ति के निजीकरण का है। बताया गया है कि, सरकारी बजट से तैयार सूचना पट्ट (पत्थर) को अवैध रूप से हसन याकूब के निजी गैरेज की दीवार पर लगवा दिया गया है।

इस पत्थर पर नियमानुसार कार्य का विवरण (जैसे लंबाई, लागत, प्रारंभ/समाप्ति बिंदु) होने के बजाय हसन याकूब साहब वाली गली लिखवाया गया है। इसे जीवित व्यक्ति के नाम पर सरकारी संपत्ति का निजीकरण और पद के दुरुपयोग का स्पष्ट उदाहरण बताया गया है।

क्षेत्रीय जनता में व्याप्त भारी आक्रोश के बीच, मुख्यमंत्री से मांग की गई है कि मामले की उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया जाए। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि अधूरी छोड़ी गई गली का निर्माण तुरंत पूरा कराया जाए और निजी दीवार पर लगे अवैध पत्थर को हटाकर वहां सरकारी मानक के अनुसार बोर्ड लगाया जाए। अब देखना यह है कि मुख्यमंत्री कार्यालय के हस्तक्षेप के बाद नगर निगम और स्थानीय प्रशासन इस भ्रष्टाचार पर क्या एक्शन लेता है।

गोयल इंस्टीट्यूट ने धूमधाम से मनाया 'उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस'

लखनऊ। उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के गरिमामयी अवसर पर, गोयल इंस्टीट्यूटऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट द्वारा काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी उत्तर प्रदेश के सहयोग से "बौद्धिक संपदा अधिकार" विषय पर एक दिवसीय भव्य कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. पूजा यादव एवं डॉ. राधेलाल द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के कई वरिष्ठ शिक्षाविदों ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की, जिनमें प्रो. कुलदीप सहाय, प्रो. अनुराग त्रिपाठी, प्रो. अरुण कुमार तिवारी और प्रो. अनुज शर्मा शामिल रहे।

डॉ. अरुण सिंह और कर्नल (डॉ.) समीर मिश्रा ने राष्ट्रीय विकास में बौद्धिक संपदा की भूमिका को रेखांकित किया। अभय द्विवेदी ने पेटेंट फाइल करने की प्रक्रियात्मक बारीकियों को समझाया। डॉ. ओम प्रकाश एवं श्री महीप सिंह ने शोध को व्यावसायिक रूप देने और कानूनी सुरक्षा प्राप्त करने के गुर सिखाए।

मुख्य अतिथि डॉ. राधेलाल जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस पर इस तरह की कार्यशाला का आयोजन युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने शोधकताओं को हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया। संस्थान के निदेशक डॉ. ऋषि अस्थाना ने सभी अतिथियों और वक्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस कार्यशाला से छात्रों और फैकल्टी सदस्यों में नवाचार के प्रति एक नई ऊर्जा का संचार होगा।

कार्यक्रम के अंत में गोयल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के अध्यक्ष इंजीनियर महेश कुमार अग्रवाल (गोयल) ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर आलोक जैन सहित संस्थान के समस्त विभागाध्यक्ष, शिक्षक और छात्र उपस्थित थे।

राष्ट्रीय विद्यालय बैंड प्रतियोगिता अनुशासन, समूह कार्य और नेतृत्व को मजबूत बनाती है: श्री संजय कुमार

गणतंत्र दिवस समारोह 2026 के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय विद्यालय बैंड प्रतियोगिता 2025-26 का उद्घाटन किया गया

देश भर के 18 विद्यालयों के बैंड राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे

(जीएनएस)।

स्कूल शिक्षा और साक्षरता (डीओएसईएल) के सचिव श्री संजय कुमार और रक्षा मंत्रालय के सचिव श्री राजेश कुमार सिंह ने गणतंत्र दिवस समारोह (आरडीसी)-2026 के अंतर्गत आयोजित राष्ट्रीय विद्यालय बैंड प्रतियोगिता (एनएसबीसी) 7, 2025-26 के भव्य समापन समारोह का आज नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय बाल भवन में संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। यह देश भर के स्कूली छात्रों में अनुशासन, समूह कार्य और संगीत उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

राष्ट्रीय विद्यालय बैंड प्रतियोगिता 7, 2025-26 गणतंत्र दिवस समारोह के उपलक्ष्य में आयोजित की जा रही है, जिसमें देश भर के 18 विद्यालयों के बैंड राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। यह प्रतियोगिता भारत के युवाओं में एकता, अनुशासन और सांस्कृतिक गौरव को बढ़ावा देने का एक अनूठा मंच बनी हुई है। इस वर्ष राज्य और क्षेत्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के माध्यम से 11 राज्यों की 18 बैंड टीमों को फाइनल के लिए (सूची संलग्न) चुना गया है। राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में 18013 बच्चों की 763 टीमों ने भाग लिया, जबकि क्षेत्रीय स्तर पर 94 टीमों को चुना गया है।

श्री संजय कुमार ने सभा को संबोधित करते हुए छात्रों में नेतृत्व, अनुशासन, टीम वर्क और सर्वांगीण

रेगिस्तान में मचेगी धूम, मिस्टर डेजर्ट से लेकर ऊंट डांस तक

(जीएनएस)।

राजस्थान की स्वर्ण नगरी जैसलमेर एक बार फिर देसी और विदेशी मेहमानों के स्वागत के लिए तैयार है। थार के रेगिस्तान में संस्कृति, संगीत और रोमांच का सबसे बड़ा मेला 'मरू महोत्सव 2026' (टं१४ का आगाज होने जा रहा है। अगर आप भी 30 जनवरी से 1 फरवरी के बीच राजस्थान घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो जैसलमेर से बेहतर कोई जगह नहीं हो सकती। तीन दिनों तक चलने वाले इस महोत्सव में आपको राजस्थानी लोक संस्कृति के ऐसे रंग देखने को मिलेंगे, जो दुनिया में और कहीं नहीं हैं।

मरू महोत्सव की शुरूआत सोनार किले से एक भव्य शोभा यात्रा के साथ होगी। इस फेस्टिवल का मुख्य आकर्षण यहां होने वाली अनोखी प्रतियोगिताएं हैं। मिस्टर डेजर्ट प्रतियोगिता का आयोजन

- इसमें पुरुषों के लिए 'मिस्टर डेजर्ट' और महिलाओं के लिए 'मिस मूमल' प्रतियोगिता सबसे खास होती है, जिसमें राजस्थानी आन-बान और शान की झलक देखने को मिलती है।
- इसके अलावा, मूंछ प्रतियोगिता और साफा (पगड़ी) बांधने की होड़ पर्यटकों को खूब रोमांचित करती है।
- जिला प्रशासन और पर्यटन विभाग ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। मेले की सुरक्षा के लिए खास इंतजाम किए गए हैं और चप्पे-चप्पे पर पुलिस और सुरक्षा बल के जवान मुस्तैदी से हिफाजत करेंगे।

ऊंटों की दौड़ होगी खास आकर्षण

रेगिस्तान का जहाज यानी ऊंट इस मेले का हीरो होता है। बीएसएफ के जवानों द्वारा 'कैमल टैटू शो' और ऊंटों की दौड़ देखना एक अलग ही अनुभव है। ऊंटों को दुल्हन की तरह सजाया जाता है और वे धोरों पर करतब दिखाते हैं। महोत्सव की शामें सम सैंड ड्यून्स पर सजती हैं, जहाँ चांदनी रात में मशहूर लोक कलाकार कालबेलिया नृत्य और संगीत की धुनों पर पर्यटकों को थिरकने पर मजबूर कर देते हैं।

तीन दिनों का होगा आयोजन

पहला दिन (30 जनवरी): शोभा यात्रा, मिस्टर डेजर्ट और मिस मूमल प्रतियोगिता, शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम।

दूसरा दिन (31 जनवरी): ऊंट श्रृंगार प्रतियोगिता, रस्साकशी (भारतीय बनाम विदेशी पर्यटक), और बीएसएफ द्वारा कैमल टैटू शो।

तीसरा दिन (1 फरवरी): घुड़दौड़, सैंड आर्ट डिस्प्ले और सम के धोरों पर भव्य आतिशबाजी के साथ समापन।

जैसलमेर का यह महोत्सव सिर्फ एक मेला नहीं, बल्कि राजस्थान की मेहमाननवाजी का प्रतीक है।

अयोध्यानगर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, डिलीवरी बॉय बनकर चोरी करने वाले 3 शातिर नकबजन गिरफ्तार, खुलासा

(जीएनएस)। भोपाल के थाना अयोध्यानगर पुलिस ने नकबजनी और वाहन चोरी की वारदातों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की चार घटनाओं का खुलासा करते हुए लगभग साढ़े चार लाख रुपये कीमत का मशरूका बरामद किया है।

पकड़े गए तीनों आरोपी आदतन अपराधी हैं और उनके खिलाफ भोपाल के विभिन्न थानों में पहले से ही कई संगीन अपराध दर्ज हैं। खास बात यह है कि ये आरोपी रेपीडो और जोमेटो जैसी नामी डिलीवरी कंपनियों में काम करते थे और इसी काम की आड़ में सुनसान इलाकों की रेकी कर चोरी और वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे।

नगरीय क्षेत्र भोपाल में बढ़ते वाहन चोरी, नकबजनी और संपत्ति संबंधी अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए पुलिस आयुक्त भोपाल हरिनारायणचारी मिश्र (क्ढर) और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अवधेश गोस्वामी (क्ढर) के निर्देश पर सख्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस उपायुक्त जोन-02 विवेक सिंह (क्ढर) के सतत निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त गौतम सोलंकी के पर्यवेक्षण और सहायक पुलिस आयुक्त एमपी नगर संभाग मनीष भारद्वाज (क्ढर) के मार्गदर्शन में थाना अयोध्यानगर पुलिस ने यह अहम सफलता हासिल की है। थाना प्रभारी निरीक्षक महेश लिल्हारे के नेतृत्व में गठित टीम ने तीन शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर नकबजनी और वाहन चोरी की चार घटनाओं का पदार्फाश किया।

घटना का खुलासा

घटना का खुलासा उस समय हुआ जब फरियादी प्रशांत तिवारी ने 21 जनवरी 2026 को थाना अयोध्यानगर पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि अयोध्यानगर क्षेत्र स्थित सुरम्य परिसर, क्वीन मेरी स्कूल के सामने उनकी कंपनी का काम चल रहा था, जहां रोड किनारे बने अस्थायी स्टोर रूम से चैंबर में लगाए जाने वाले धातु के बड़े कैप चोरी हो गए थे। चोरी गए कैप का वजन करीब 500 किलोग्राम था। शिकायत पर थाना अयोध्यानगर में अपराध क्रमांक 36/2026 धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

100 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में पुलिस टीम ने घटनास्थल और उसके आसपास लगे करीब 100 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर तंत्र की मदद से संदिग्धों का हुलिया चिह्नित किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने अयोध्यानगर फेस-5 पुलिया के पास से तीन आरोपियों को दबोच लिया। पूछताछ में आरोपियों ने नकबजनी और वाहन चोरी की वारदातों को स्वीकार किया। उनकी निशानदेही पर चोरी किए गए चैंबर के चार बड़े कैप और पिपलानी व हबीबगंज थाना क्षेत्र से चोरी की गई तीन मोटरसाइकिलें बरामद की गईं।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी नशे के आदी हैं और अपने महंगे शौक पूरे करने के लिए चोरी और नकबजनी को जरिया बनाते थे। रेपीडो और जोमेटो में डिलीवरी बॉय के रूप में काम करते हुए वे शहर के अलग-अलग इलाकों में बेरोकटोक घूमते थे और सुनसान स्थानों को निशाना बनाकर वारदात को अंजाम देते थे। गिरफ्तार आरोपियों में राजा पाल, कुनाल उर्फ यश प्रधान और राहुल बाल्मीकी उर्फ अजय शामिल हैं, जिनके खिलाफ भोपाल के विभिन्न थानों में दर्जनों आपराधिक मामले दर्ज हैं।

रोल प्ले, हग करना और भी बहुत कुछ...चीन में किराए पर हैंडसम लड़के रख रहीं फीमेल टूरिस्ट

(जीएनएस)।

चीन के कई टूरिस्ट प्वॉइंट्स पर पर एक नया और चौंकाने वाला ट्रेंड तेजी से वायरल हो रहा है। यहां महिला यात्री अपने बैग उठवाने, फोटो क्लिक करवाने और रोमांटिक अंदाज की संगति के लिए युवा और हैंडसम पुरुषों को किराए पर रख रही हैं। जिन्हें इंटरनेट पर 'Hot Man Tourism' कहा जा रहा है। 24 जनवरी, 2026 को सामने आए इस ट्रेंड ने चीन के टूरिज्म सेक्टर को बिल्कुल नए रूप में ढालना शुरू कर दिया है।

पहाड़ों से कई शहरों तक फैली कहानी

धुंध से ढकी पहाड़ियों से लेकर ऐतिहासिक शहरों तक, यह चलन अब हर जगह दिखाई दे रहा है। महिलाएं इन हैंडसम पुरुषों की संगति के लिए अच्छी-खासी रकम चुकाती हैं। ये पुरुष सिर्फ सामान ढोने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि 'बॉयफ्रेंड रोल प्ले' जैसी सेवाएं भी देते हैं (रोल प्लेः किसी किरदार जैसे कि बॉयफ्रेंड, पति आदि जैसा अनुभव देना), जिससे ट्रिप किसी फिल्मी फैंटेसी जैसी लगने लगती है और सोशल मीडिया पर लाखों व्यूज मिलते हैं।

थीम पार्क से शुरू हुआ ट्रेंड

इस ट्रेंड की शुरूआत थीम पार्कों से हुई थी। यहां पुरुष अभिनेताओं को इंटरैक्टिव NPC (नॉन-प्लेयर कैरेक्टर) के तौर पर रखा गया। वे टूरिस्टों को गले लगाना, 'प्रिंसेस कैरी' देना और साथ में सेल्फी लेने जैसी एक्टिविटी ऑफर करते थे। लोगों को यह अनुभव इतना पसंद आया कि वीडियो वायरल हो गए और 2025 के आखिर तक यह चलन पहाड़ों और ऐतिहासिक शहरों तक फैल गया।

अलग-अलग शहरों में अलग अंदाज

हारबिन में ये पुरुष चढ़ाई के दौरान टूरिस्टों का सामान उठाने और मुश्किल रास्तों में मदद करते हैं। अन्हुई में टूरिस्टों को अपनी बाहों में उठाकर ले जाते हैं, जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल होता है। वहीं सूजौ में प्राकृतिक सुंदरता के साथ युवा आकर्षण मिलकर ट्रिप को यादगार बना देते हैं।

सेवाओं के पैकेज और कीमतें

इन सेवाओं को तीन कैटेगरी में बांटा गया है। 200 से 500 युआन (लगभग 2600 से 6500 भारतीय रुपए) वाले बेसिक पैकेज में फोटोग्राफी, रास्ता दिखाना और सामान संभालना शामिल है। प्रीमियम पैकेज में शारीरिक लिफ्ट, स्पिन, टाइट हग और 'बॉयफ्रेंड रोल प्ले' जैसी सुविधाएं मिलती हैं। 2000 युआन (26100 भारतीय रुपए) या उससे ज्यादा कीमत वाली लक्जरी सेवाओं में पूरे दिन की संगति, बातचीत, चढ़ाई में मदद और ढेर सारी सेल्फी शामिल होती हैं।

साधारण पोर्टर से सोशल मीडिया स्टार तक

इनमें से कई पुरुष फिट बॉडी, ट्रेंडी जिम कपड़े और लाखों सोशल मीडिया फॉलोअर्स के मालिक हैं। जो कभी साधारण पोर्टर हुआ करते थे, वे रातों-रात वायरल स्टार बन गए हैं और अब पर्यटन उद्योग का अहम हिस्सा माने जा रहे हैं।